mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-254 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
13 सितंबर 2024 शुक्रवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

टाटा मोटर्स ने ...
@ पेज 7

राशिद इंजीनियर के निकलने से डरे उमर और महबूबा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की बारामूला सीट से सांसद राशिद इंजीनियर गुरुवार सुबह ही श्रीनगर पहुंचे। दिल्ली की तिहाड़ जेल से उनकी कल शाम की रिहाई हुई थी। टेरर फंडिंग केस में 2

- घाटी की सीटों पर गेम पलटने का है दम, घबराई दोनों पार्टियां

अक्टूबर तक की बेल पर राशिद इंजीनियर जेल से बाहर निकले हैं, लेकिन उनके कश्मीर पहुंचने से उमर अब्दुल्ला से लेकर महबूबा मुफ्ती तक की सोशल इंजीनियरिंग खतरे में लग रही है। शेख राशिद

इंजीनियर ने श्रीनगर पहुंचते ही धरती पर माथा टेका और जमीन को चूमते दिखे। वह रोने लगे और कहा कि मेरी तो लड़ाई ही कश्मीर के लिए है। बारामूला में उन्होंने जिस तरह उमर अब्दुल्ला को चुनाव हरा दिया था और अब फिर से इमोशनल कार्ड खेल रहे हैं, उससे चुनावी समीकरण बदल सकते हैं। राशिद इंजीनियर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह मेरी जमीन है। मैं किसी उमर अब्दुल्ला या महबूबा मुफ्ती के आरोपों की परवाह नहीं करता। मैं वह जंग लड़ रहा हूं, जो महबूबा और उमर लड़ ही नहीं सकते। उनसे बहुत बड़ी मेरी लड़ाई है। उन्होंने कहा कि मैं तो आत्मसम्मान, शांति और गरिमा चाहता हूं।

इंजीनियर बोले- विपक्ष पीछे से छुरा भोंकता है

शेख राशिद का कहना है कि मैं किसी से गठबंधन नहीं करूंगा, सिर्फ अपने दिल की आवाज सुनकर कश्मीरियों के लिए लड़ूंगा। यही नहीं मोदी और विपक्ष में कोई अंतर न बताते हुए राशिद इंजीनियर का कहना है कि मोदी जी सामने से वार करते हैं और विपक्ष पीछे से छुरा भोंकता है।

चश्मे बिना पढ़ने में मदद करने वाले आईड्रॉप पर रोक

- डीसीजीआई ने कहा-प्रिस्क्रिप्शन के साथ दवा बेचने की मंजूरी थी, कंपनी ने गलत प्रचार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने बुधवार को प्रेस्वू नाम के आई ड्रॉप की मैन्यूफैक्चरिंग और मार्केटिंग लाइसेंस को रद्द कर दिया है। इस आई ड्रॉप को मुंबई स्थित दवा निर्माता कंपनी एंटोड फार्मास्युटिकल्स ने बनाया था। कंपनी का दावा था कि यह प्रेसबायोपिया (बढ़ती उम्र के बाद नजदीक की नजर कमजोर हो जाना) से पीड़ित लोगों को फायदा पहुंचाती है।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक के मांड्या में गणेश विसर्जन जुलूस पर पथराव

- तलवारों-कांच की बॉटल से हमला, भीड़ ने दुकानें-गाड़ियां जलाईं, 15 पुलिसकर्मी घायल

मांड्या (एजेंसी)। कर्नाटक के मांड्या के नागमंगला में बुधवार रात गणपति विसर्जन जुलूस पर पथराव हुआ। घटना रात 8 बजे की है। मैसूर रोड पर बनी दरगाह के सामने पहुंचने पर कुछ लोगों ने पत्थर फेंके। इसके बाद हिंदुओं ने भी प्रदर्शन किया। इलाके की कुछ दुकानों और वहां खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी गई। भीड़ को तितर-बितर करने पुलिस ने लाठीचार्ज किया। कन्नड़ न्यूज चैनलों के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जुलूस पर पत्थरों के अलावा तलवार, रॉड और जूस की बॉटल से भी हमला किया गया।

कश्मीर में चुनाव से 6 दिन पहले मिले आतंकी ठिकाने

- कुपवाड़ा में पेड़ की जड़ में गड्ढा खोदकर रह रहे थे आतंकी

श्रीनगर (एजेंसी)। सेना ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के 6 दिन पहले कुपवाड़ा और कुलगाम जिले में गुरुवार,12 सितंबर को आतंकियों के 2 ठिकानों को खोज

निकाला। कुपवाड़ा से भारी मात्रा में गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किया। वहीं, कुलगाम में सिर्फ ठिकाने का पता चला। कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में आतंकियों ने यह ठिकाना एक बड़े पेड़ की जड़ में गड्ढा खोदकर बनाया था।

अब चीन की गोद में जा रहा भारत का मुस्लिम दोस्त देश

- कर्ज का जाल बने ड्रैगन के बीआरआई प्रोजेक्ट पर लगाएगा दांव

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान से लेकर अफ्रीका तक के देशों को कर्ज के जाल में फंसाने वाले चीन के बेल्ट एंड रोड प्राजेक्ट के

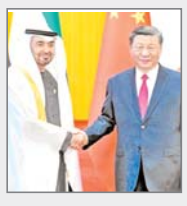

जाल में अब एक और देश फंसने जा रहा है। भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार संयुक्त अरब अमीरात चीन के बेल्ट एंड रोड प्रॉजेक्ट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि सऊदी अरब समेत खाड़ी के अन्य देशों की तरह से यूएई भी चीन के करीब बढ़ता दिख रहा है।

किसी के मेडल पर साइन तो किसी के सिर पर दी थपथपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत ने रिकॉर्ड कुल 29 मेडल जीते। इसमें से 7 गोल्ड, 9 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल थे। भारत ने कभी इससे पहले इतने मेडल नहीं जीते। वहीं इतिहास रचने के बाद अब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय पैरा एथलीट से मिले हैं। पीएम

- पैरालंपिक पदक विनर्स से यूं मिले पीएम मोदी, दी शाबाशी

मोदी ने एथलीट्स से बात की। उन्हें शाबाशी दी। पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत की शूटर अवनि लेखरा ने 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था। वहीं जब प्रधानमंत्री मोदी उनसे

मिले तो उन्होंने अवनि के सिर पर हाथ रखा और थपथपाया भी। पैरालंपिक 2024 में भारत के कपिल पारमर ने जूडो के 60 किग्रा इवेंट में देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता था। कपिल ने पैरालंपिक में भारत के लिए जूडो में पहला मेडल जीता है। वह भी पीएम मोदी से मिले। देश के प्रधानमंत्री ने उनके मेडल पर साइन भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय पैरा एथलीट से मिले और उनसे बात भी की। वह उनसे एक-एक करकर बात कर रहे थे। पेरिस पैरालंपिक 2024 के दौरान जब-जब भारतीय एथलीट मेडल जीत रहे थे। तो उनकी इस खास उपलब्धि के बाद पीएम नरेंद्र मोदी उनसे फोन कॉल पर बात कर रहे थे और उन्हें ट्विटर पर ट्वीट कर बधाई भी दे रहे थे।

अब देश में जीएनएसएस दिलाएगा 'जाम' से छुटकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सड़क एवं परिवहन मंत्रालय ने एक बड़ा फैसला लिया है। भारत में ग्लोबल नेवीगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) को मंजूरी दे दी गई है। इसे जीपीएस टोल और सैटेलाइट टोल के नाम से भी जाना जाता है। भारत कोई पहला देश नहीं है जहां पर जीएनएसएस आ रहा है। इससे पहले बहुत सारे देशों में ये काम कर रहा है। साथ ही इसके काम करने का तरीका

- नितिन गडकरी के एक फैसले से बदल जाएगा टोल सिस्टम

पूरी तरह अलग है। क्योंकि इससे हर देश में जाम से छुटकारा मिला है। साथ ही जहां पर भी इसे लागू किया गया है, वहां नागरिकों को भी काफी राहत मिली है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की तरफ से लंबे समय से इस सिस्टम को लाने के बारे में कहा जा रहा है। इसमें कई सुविधाएं दी जाती है। सबसे बड़ी खासियत होती है कि इसमें फास्टैग की तरह आपको टोल प्लाजा पर खड़ा नहीं होना होता है। एक प्रकार से ये ऐसा सिस्टम है जहां आपको सीधा गाड़ी लेकर जानी होती है और खुद ही टोल पेमेंट आपके अकाउंट से कट

जाती है। इसमें अलग से कुछ करने की जरूरत नहीं होती है। कई अन्य देशों में पहले ही ये सिस्टम वर्क कर रहा है। अब बात करें कि ये भारत में कैसे काम करेगा तो अभी तक सामने आई जानकारी से पता चलता है कि पहले ये कमर्शियल गाड़ियों के लिए ही रोल आउट किया जाएगा। यानी पहले इसकी मदद से सिर्फ कमर्शियल गाड़ियां ही चल पाएंगी। लेकिन उसके बाद इसे कारों के लिए भी लाया जाएगा। अभी फिलहाल इसे टेस्टिंग मोड में लाया जाएगा। यही वजह है कि पहले कमर्शियल गाड़ियों पर ही वर्क किया जाएगा। इसके लिए अलग से हाइवे पर लेन लाने पर भी विचार किया जा रहा है।

फास्टटेग यूजर्स को थोड़ा ज्यादा फीस देनी होगी

फास्टटेग की फीस 200-300 रुपए होती थी लेकिन इसकी स्थिति बिल्कुल अलग हो गई है। ये थोड़ा महंगा सिस्टम होने वाला है। इसका इस्तेमाल भी बहुत ज्यादा होगा और टेक्नोलॉजी भी बिल्कुल अलग है। रिपोर्ट्स की मानें तो इसके लिए यूजर्स से 4 हजार रुपए तक वसूल किए जा सकते हैं। यानी यूजर्स को थोड़ा ज्यादा फीस देनी होगी, लेकिन इसके फायदे भी बहुत ज्यादा होने वाले हैं।

संजौली मस्जिद का अवैध निर्माण अब खुद तोड़ेगा मुस्लिम समुदाय

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के शिमला में संजौली मस्जिद विवाद जल्द सुलझ सकता है। मस्जिद कमेटी ने गुरुवार को मस्जिद का अवैध निर्माण तोड़ने की पेशकश की। इसके लिए उन्होंने शिमला नगर निगम कमिश्नर भूपेंद्र अत्री से मुलाकात की। कमिश्नर ने बताया कि मस्जिद कमेटी ने खुद कहा कि जब तक कोर्ट का फैसला नहीं आ जाता तब तक मस्जिद की 3 अवैध मंजिल को सील किया जाए। कमेटी इसके

- नगर निगम कमिश्नर से मिलकर कहा-कोर्ट के फैसले तक विवादित 3 मंजिल सील करें

लिए तैयार है। संजौली मस्जिद के अवैध निर्माण को लेकर पिछले 13 दिनों से विरोध-प्रदर्शन जारी है। पिछले दिनों हुए लाठीचार्ज के विरोध में व्यापार मंडल ने गुरुवार को शहर की सभी दुकानें बंद रखी हैं। इस दौरान शिमला के व्यापारियों ने शेर-ए-पंजाब से डीएम ऑफिस तक रोष रैली निकाली और डीएम को बर्खास्त करने की मांग की।

संजौली में मस्जिद 1947 से पहले बनी थी। 2010 में इसकी पक्की इमारत बननी शुरू हुई तो नगर निगम में शिकायत की गई थी। अब मस्जिद 5 मंजिला है। नगर निगम 35 बार अवैध निर्माण तोड़ने का नोटिस दे चुका है।

लोग मस्जिद के बाहर नमाज पढ़ते थे, जिससे नमाज पढ़ने में दिक्कत आती थी। इसे देखते हुए लोगों ने चंदा इकट्ठा किया और मस्जिद निर्माण शुरू किया। जमीन वक्फ बोर्ड की थी। मस्जिद की 2 मंजिल को लेकर मामला कोर्ट में चल रहा है। वक्फ बोर्ड इसकी लड़ाई लड़ रहा है। ताजा विवाद 31 अगस्त से शुरू हुआ, जब 2 गुटों के बीच मारपीट हुई और 6 मुस्लिम लड़कों ने यशपाल नाम के स्थानीय कारोबारी की

पिटाई कर दी। इसके बाद हिंदू संगठनों ने मस्जिद का अवैध निर्माण गिराने की मांग की। इसके बाद हिंदू संगठन भड़क उठे और मस्जिद तोड़ने की मांग को लेकर बुधवार को तीसरी बार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि कोर्ट का फैसला आने तक मस्जिद को सील किया जाए। ऐसा नहीं किया गया तो आंदोलन को उग्र किया जाएगा। मस्जिद विवाद में शिमला से सुलगी विरोध की चिंगारी अब पांवटा साहिब और मंडी तक पहुंच चुकी है। इससे माहौल तनावपूर्ण बनता जा रहा है।

वरिष्ठ सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी का निधन

निमोनिया की वजह से दिल्ली एम्स में थे भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी का 72 साल की उम्र में निधन हो गया। निमोनिया की शिकायत होने के बाद उन्हें 19 अगस्त को एम्स

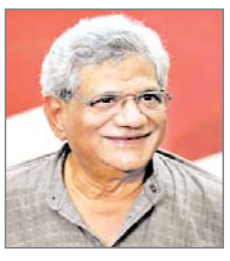

दिल्ली में भर्ती कराया गया था। 25 दिन से उनका इलाज चल रहा था। परिवार ने अस्पताल को सीपीएम नेता की बॉडी डोनेट की है। वे तीन बार पार्टी के महासचिव रहे थे। वहीं, सीपीएम की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि 'कॉमरेड सीताराम येचुरी को सांस की नली में गंभीर संक्रमण हुआ था। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही थी। सीताराम येचुरी अपने पीछे पत्नी सीमा चिश्ती येचुरी और बच्चों अखिला और आशीष येचुरी को छोड़ गए हैं। सीताराम येचुरी ने छात्र जीवन से ही राजनीति शुरू की थी और वह जेएनयू छात्र संघ का हिस्सा रहे थे। आपातकाल के दौर में जेल जाने से उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। करीब 5 दशकों के अपने राजनीतिक करियर में वह वामपंथ की धुरी रहे। उन्हें वामपंथी दलों को गठबंधन की राजनीति में लाने का भी श्रेय दिया जाता है। यूपीए वन और यूपीए टू के दौर में उन्होंने ही वामपंथी दलों को सरकार का हिस्सा बनने के लिए राजी किया था। उन्हें अप्रैल 2015 में सीपीएम के महासचिव के तौर पर जिम्मेदारी मिली थी।

सीजन की पहली बर्फबारी, सफेदी से ढक गई चोटियां

उत्तराखंड के पहाड़ों पर अभी से लौट आया है हिमयुग

देहरादून (एजेंसी)। मौसम विभाग का पूर्वानुमान सही साबित हुआ। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में पिछले 24 घंटे से हो रही लगातार बारिश के साथ ही ऊंची चोटियों पर सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। सितंबर माह में हुई पहली बर्फबारी से मौसम ठंडा और शुष्क हो गया है। यह बर्फबारी भारत-चीन सीमा के साथ बद्रीनाथ धाम हेमकुंड साहिब और फूलों की घाटी की ऊंची चोटियों पर हुई। हिमपात के बाद चोटियां सफेद बर्फ की चादर से ढंक गई हैं। निचले इलाकों में भी सर्द हवाएं चलने लगी हैं। पहाड़ों पर पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही तेज बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। विदा होते मॉनसून के साथ अचानक बढी ठंड के कारण लोग अपने घरों में दुबक गए हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग जगह-जगह बंद हो गया है। जोशीमठ मलारी नीति मोटर मार्ग लाता के पास पहाड़ी से मलबा और पत्थर आने के कारण बंद हो गया है। नंदप्रयाग में लगातार हो रहे भूस्खलन के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग बंद है। बार-बार सड़क बंद होने के कारण तीर्थ यात्रियों को भी दिक्कत हो रही है। यात्रियों के वाहन घंटों तक लंबे जाम में फंस रहे हैं।

लगातार हो रही बारिश के कारण चार धाम यात्रा भी प्रभावित है। तेज बारिश होने के कारण लोग अब अपने घरों से कम निकल रहे हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बाद चमोली जिले के सभी विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। तेज बारिश के कारण गुरुवार को चमोली जिले के सभी विद्यालयों में अवकाश है। तेज बारिश के कारण कोई अप्रिय घटना ना घटे इसको देखते हुए जिलाधिकारी ने विद्यालयों में छुट्टी का आदेश दिया है।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पास मिला संदिग्ध बैग

- बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया, कोलकाता में कोहराम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पास एक संदिग्ध बैग मिला है। जानकारी के अनुसार प्रदर्शन स्थल के पास से बैग मिला है। मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी। बता दें कि जूनियर डॉक्टरों ने आरजी कर अस्पताल के ठीक सामने विरोध स्थल बनाया था। वे 9 अगस्त को 31 वर्षीय प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के खिलाफ एक महीने से अधिक समय से आंदोलन कर रहे थे।

सीहोर में 12 सितंबर को आयोजित होगी जन-सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सीहोर क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी शिकायतों के शीघ्र निराकरण के लिए वृत्त कार्यालय सीहोर में 12 सितंबर 2024 को विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की जन-सुनवाई का आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम द्वारा इस जन-सुनवाई में सीहोर वृत्त अंतर्गत आने वाले विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत अधिनियम-2003 की धारा-126, 135 तथा 138 को छोड़कर शेष शिकायतें जैसे विद्युत बिल से संबंधित, मीटर से संबंधित, नवीन कनेक्शन में विलंब, विद्युत आपूर्ति में व्यवधान, वोल्टेज से संबंधित, लोड शेडिंग/अधिसूचित विद्युत कटौती, सुरक्षा निधि पर ब्याज अदायगी इत्यादि शिकायतों की सुनवाई की जाएगी तथा शिकायतों का त्वरित निराकरण भी किया जाएगा। कंपनी ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि दशहरा वाला बाग, मंत्री पेट्रोल पम्प के पास, इंदौर नाका स्थित वृत्त कार्यालय सीहोर में 12 सितंबर 2024 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1:30 तक आयोजित होने वाली इस जन-सुनवाई के माध्यम से बिजली उपभोक्ता अपनी विद्युत संबंधी शिकायतों का निराकरण कराने के लिये वृत्त कार्यालय सीहोर में प्रातः 11 बजे के पूर्व अपना रजिस्ट्रेशन कराना सुनिश्चित करें।

दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों की अंत्येष्टि के लिये राज्य सरकार देगी आर्थिक सहायता

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों की अंत्येष्टि के लिये परिजनों को आर्थिक सहायता मिलेगी। मध्यप्रदेश राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना अनुसार मध्यप्रदेश लोकतंत्र सेनानी सम्मान नियम 2018 में संशोधन किया गया है। लोकतंत्र सेनानियों के दिवंगत होने पर उनके परिवार प्रमुख को 10 हजार रूपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी। दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जायेगा। इस संबंध में जारी अधिसूचना के साथ ही यह नियम लागू कर दिया गया है।

पॉलीटेक्निक विद्यार्थियों का किसी भी डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश का स्वप्न होगा साकार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पॉलीटेक्निक विद्यार्थियों के राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के माध्यम से डिप्लोमा के साथ हायर-सेकंडरी परीक्षा की तैयारी हो सकेगी। शासकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में विद्यार्थियों का अधिकतम प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए विभागीय स्तर पर निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। पॉलीटेक्निक डिप्लोमा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को लेटरल एंट्री में इंजीनियरिंग डिग्री के साथ साथ अन्य डिग्री पाठ्यक्रम में शामिल होने के अवसर उपलब्ध हों, इसके लिए पॉलीटेक्निक डिप्लोमा के साथ साथ विद्यार्थियों को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के माध्यम से हायर सेकंडरी परीक्षा (ओपन माध्यम से) में सम्मिलित हो सकेंगे। विद्यार्थियों को 12वी बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए संबंधित संस्थान द्वारा कोचिंग सुविधा उपलब्ध कराई जाने को लेकर कार्ययोजना बनायी जायेगी। पॉलीटेक्निक डिप्लोमा विद्यार्थियों का किसी भी डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने का स्वप्न साकार करना विभाग की प्राथमिकता है। इससे पॉलीटेक्निक डिप्लोमा करने के बाद विद्यार्थी को रोजगार और नौकरी के लिए अवसर तैयार तो होगा ही, साथ ही उनको किसी भी डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के अवसर की उपलब्धता भी सुनिश्चित हो सकेगी। प्रदेश के सभी शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों की सीट्स पूर्ण रूप से भरने को लेकर व्यापक संचार के लिए कार्ययोजना बनायी गयी है। अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए डॉ. बाबासाहब अंबेडकर योजना एवं जनजातीय विद्यार्थियों के लिए एकलव्य योजना अंतर्गत संचालित संस्थाओं, पाठ्यक्रमों एवं उपलब्ध सीटों की संख्या सहित योजनाओं से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी विद्यार्थियों को दी जायेगी।

पॉलीटेक्निक विद्यार्थियों का किसी भी डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश का स्वप्न होगा साकार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पॉलीटेक्निक विद्यार्थियों के राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के माध्यम से डिप्लोमा के साथ हायर-सेकंडरी परीक्षा की तैयारी हो सकेगी। शासकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में विद्यार्थियों का अधिकतम प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए विभागीय स्तर पर निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। पॉलीटेक्निक डिप्लोमा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को लेटरल एंट्री में इंजीनियरिंग डिग्री के साथ साथ अन्य डिग्री पाठ्यक्रम में शामिल होने के अवसर उपलब्ध हों, इसके लिए पॉलीटेक्निक डिप्लोमा के साथ साथ विद्यार्थियों को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के माध्यम से हायर सेकंडरी परीक्षा (ओपन माध्यम से) में सम्मिलित हो सकेंगे।

स्वशासी इंजीनियरिंग महाविद्यालय नौगांव के संचालक मंडल की बैठक हुई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय में स्वशासी इंजीनियरिंग महाविद्यालय नौगांव (जिला छतरपुर) की संचालक मंडल की बैठक हुई। मंत्री श्री परमार ने महाविद्यालयीन गतिविधियों, कार्यों एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। श्री परमार ने विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के समग्र विकास, बेहतर अध्ययन-अध्यापन, वार्षिक गतिविधियों एवं अकादमिक गुणवत्ता सुधार के लिये आवश्यक क्रियान्वयन के लिए संस्थान एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। मंत्री श्री परमार ने संस्थान में विद्यार्थियों के अधिकतम प्रवेश सुनिश्चित कर, उपलब्ध सभी ब्रांच की सभी सीट्स को पूर्ण भरने के लिए व्यापक कार्ययोजना के साथ क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। श्री परमार ने संस्थान का शैक्षणिक एवं अकादमिक परिवेश को उत्तम बनाने को कहा। संस्थान की साधारण सभा एवं संचालक मंडल की नियमित बैठक किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में सचिव तकनीकी शिक्षा श्री रघुराज एम आर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल की कुलगुरू डॉ रूपम गुप्ता, संचालक तकनीकी शिक्षा डॉ वीरेंद्र कुमार एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम एल वर्मा सहित संचालक मंडल के सदस्यगण उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने बुधवार को संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम लिमिटेड एवं मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। राज्य शासन ने निगम, मंडलों, समितियों, परिषदों, प्राधिकरणों एवं अन्य संस्थाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संचालक, सदस्यों के पूर्व में किए गए मनोनयन को निरस्त किए जाने का आदेश जारी किये थे।

मंत्री श्री जायसवाल ने पदभार ग्रहण करने के बाद संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम

लिमिटेड के एमडी श्री मोहित बुंदस और मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के एमडी श्री माल सिंह भयड़िया से निगम व बोर्ड में होने कार्यों के संबंध में चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश पुलिस की महिला सुरक्षा शाखा का नवाचार हम होंगे कामयाब राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश की महिला सुरक्षा शाखा द्वारा महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम, व्यापक जागरूकता तथा पीड़िता के पुनर्वास के लिए किया गया नवाचार, हम होंगे कामयाब अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया है। 29 अगस्त 2024 को हैदराबाद में तेलंगाना पुलिस, महिला सुरक्षा विंग द्वारा आयोजित नेशनल टेक्निकल कंसल्टेशन समारोह में इस अभियान को अवार्ड स्वरूप ट्रॉफी प्रदान की गयी। मध्यप्रदेश पुलिस की ओर से एसएसपी सुश्री किरणलता केरकट्टा ने यह अवार्ड प्राप्त किया। पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना से मंगलवार 10 सितंबर को महिला सुरक्षा शाखा की स्पेशल डीजी श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव, आईजी श्रीमती हिमानी खन्ना, यूएन वूमन के स्टेट प्रतिनिधि, महिला बाल विकास विभाग सहित अन्य सहभागी संस्थान के प्रतिनिधियों ने भेंट कर ट्रॉफी सौंपी। डीजीपी ने इस नवाचार की सराहना करते हुए प्रदेश में महिला सुरक्षा को और भी सुदृढ़ करने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया। मध्यप्रदेश पुलिस महिला सुरक्षा शाखा ने प्रदेश में महिला अपराधों को रोकने, जिसमें मानव तस्करी भी शामिल है, महिला जागरूकता, महिला विकास तथा पीड़िता के पुनर्वास के लिए एक समन्वित प्रयास जिसमें शासन के अन्य विभाग जैसे महिला एवं बाल विकास, ग्रामीण आजीविका मिशन, पर्यटन, श्रम एवं पंचायत विभाग तथा एनजीओ शामिल हैं के माध्यम से 3पी थ्योरी जिसमें प्रिवेंशन, प्रोटेक्शन एवं प्रोसीक्यूशन पर पूरा ध्यान केन्द्रित किया गया। इस उद्देश्य से पुलिस के साथ अन्य कई विभाग इन अपराधों की रोकथाम, नियंत्रण, अभियोजन एवं पुनर्वास के लिए हम होंगे कामयाब मंच के अंतर्गत एक दिशा में कार्य कर रहे हैं। हम होंगे कामयाब'' के तहत इंदौर एवं उज्जैन रेंज के सात थानों में महिला उर्जा डेस्क के साथ सभी स्टेक होल्डर इस दिशा में समन्वित प्रयास कर रहे हैं।

विभागीय अधिकारी बांधों एवं जलाशयों की सुरक्षा के पूर्ण मुस्तेदी के साथ कार्य करें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने सभी विभागीय अधिकारियों को अपने-अपने कार्य क्षेत्र के अतंर्गत बांधों एवं जलाशयों की सुरक्षा के संबंध में जिला प्रशासन से सतत् समन्वय के साथ पूर्ण मुस्तेदी के साथ कार्य करने के निर्देश दिये है, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित न हो।

बांधों से जल निकासी के संबंध में निरंतर सूचना जनता को दी जाए तथा सारे सुरक्षात्मक उपाय किए जाएं। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने आज विभाग के राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ में प्रदेश के विभिन्न बांधों के जल भराव के संबंध में समीक्षा बैठक ली। साथ ही नियंत्रण प्रकोष्ठ में स्थापित स्काडा सिस्टम के माध्यम से तवा एवं बरगी बांध का लाइव वर्चुअल अवलोकन किया। समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि विभिन्न कछार अंतर्गत 30 बांधों के जलद्वारों के माध्यम

से अतिरिक्त पानी की निकासी की जा रही है। मंत्री श्री सिलावट द्वारा द्वारा दूरभाष के माध्यम से जबलपुर, रीवा, भोपाल, ग्वालियर, सागर संभागों के संभाग आयुक्त एवं भारी बारिश की चेतावनी वाले जिलों ग्वालियर, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, छतरपुर, सागर, जबलपुर, रीवा जिले के कलेक्टर्स से चर्चा कर सभी आवश्यक प्रबंध किये जाने के निर्देश दिये गये। मंत्री ने विभाग के सभी मैदानी मुख्य अभियंताओं से दूरभाष पर चर्चा कर वस्तु स्थिति की जानकारी ली । प्रदेश में इस वर्ष अभी तक 991.90 मिली मीटर वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है, जो कि प्रदेश की औसत वर्षा से 14 प्रतिशत से अधिक है। राज्य के पूर्वी हिस्से में औसत से 11 प्रतिशत से अधिक एवं पश्चिमी हिस्से में औसत से 17 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। विगत वर्ष आज इसी स्थिति में 764.40 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई थी, जो कि औसत से 12 प्रतिशत से कम थी।

शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिये छात्रावास सुविधा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग विभिन्न मदों में छात्रावास का निर्माण करा रहा है। छात्रावास सुविधा से बच्चों को घर से दूर पढ़ाई करने में सरलता भी हुई है। संभागीय मुख्यालयों पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये 50 सीटर बालक और 50 सीटर बालिका दिव्यांग छात्रावास के निर्माण के लिये विभागीय बजट में प्रावधान किया गया है। प्रति छात्रावास निर्माण पर करीब 3 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि खर्च होगी। दिव्यांग छात्रावास का निर्माण संभागीय मुख्यालय पर ऐसे स्कूलों में किया जा रहा है, जहाँ सह-शिक्षा की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में ऐसे दिव्यांग विद्यार्थी, जो कक्षा-8वीं तक की शिक्षा राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित छात्रावास में रहकर पूरी करते हैं, उन्हें उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ाई करने के लिये राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित छात्रावास में व्यवस्था की गयी है। ग्वालियर, जबलपुर तथा शहडोल में छात्रावास निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। प्रदेश के 22 जिलों में 43 छात्रावासों का निर्माण राज्य खनिज कोष से मंजूर किया गया है। यह छात्रावास मॉडल स्कूलों के छात्रावास के रूप में विकसित किये जा रहे हैं। मंजूर छात्रावास भवनों में से 27 छात्रावासों के भवन निर्माण का कार्य पूरा किया जा चुका है। इन छात्रावासों में करीब 3600 विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा मिलना शुरू हो गयी है। शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद सुदृढ़ीकरण योजना के अंतर्गत 17 शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में बहुद्देशीय हॉल के निर्माण के लिये एक करोड़ रुपये प्रति हॉल की दर पर मंजूरी प्रदान की गयी है।

ट्रिपिंग में कमी लाएं और उपभोक्ता संतुष्टि बढ़ाएं- ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार को रतलाम जिले के जावरा बिजली संभाग के अधीन राजाखेड़ी में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा आरडीएसएस योजना के तहत दो करोड़ से ज्यादा की लागत से तैयार 33/11 केवी के ग्रिड का लोकार्पण किया। उन्होंने समय पर बिजली बिल राशि चुकाने वाले राजाखेड़ी के उपभोक्ताओं श्री विनोद जायसवाल और श्री शेर सिंह का मंच से माला पहनाकर सम्मान भी किया और समय पर बिल चुकाने वाले उपभोक्ताओं से प्रेरणा लेने का आह्वान भी किया। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि बिजली अधिकारी और कर्मचारी ट्रिपिंग घटाने के लिए हर

संभव प्रयास करें आने वाले समय में इन प्रयासों का परिणाम दिखाई देना चाहिए।

रबी सीजन के लिए भी पूरी तैयारी हो, जिससे कृषि क्षेत्र के उपभोक्ताओं को सुविधा मिल सके। उन्होंने नए ग्रिड के पास पौध-रोपण किया एवं हरियाली संरक्षण के लिए अपील की। ऊर्जा मंत्री ने रतलाम में जिले के बिजली अधिकारियों की मिटिंग ली। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि लाइटनिंग की वजह से जो ट्रांसफार्मर खराब हो गए हैं, उनकी समय पर जांच कराए, रिपोर्ट विभाग को उपलब्ध भी कराई जाए। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आरडीएसएस केंद्र एवं राज्य शासन की प्राथमिकता में है, आरडीएसएस के कार्य तय समय पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराए जाए, जिससे उपभोक्ताओं को नए कार्यों से लाभ मिले। वोल्टेज सुधारे एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण करें। उन्होंने विजिलेंस एवं बकाया बिल राशि की वसूली समय पर करने के भी निर्देश दिए। मंत्री श्री तोमर ने रतलाम में पोस्ट ऑफिस रोड पर आरोग्य हास्पिटल के पास उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर कार्य का निरीक्षण किया, बिजली प्रदाय व्यवस्था का फीडबैक भी लिया।

इस अवसर पर उज्जैन के मुख्य अभियंता श्री बीएल चौहान सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

त्यौहारों पर रहें मुस्तैद, सुदृढ़ रखें कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था-डीजीपी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में गणेश उत्सव, डोल ग्यारस, ईद मिलादुन्नबी, अनंत चतुर्दशी आदि पर्वों पर शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहे, इसके दृष्टिगत पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि त्यौहारों पर शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए गंभीरता से योजना तैयार करें। अपने क्षेत्रों की सतत् निगरानी करते रहें।

बैठक में समस्त एडीजी/आईजी, भोपाल एवं इंदौर के पुलिस कमिश्नर, रेंज डीआईजी एवं समस्त पुलिस अधीक्षक व उपायुक्त शामिल हुए। इस बैठक में एडीजी (इंटेलिजेंस) श्री जयदीप प्रसाद सहित अन्य उच्चाधिकारी भी उपस्थित रहे। डीजीपी श्री सक्सेना ने कहा कि प्रदेश में आगामी पर्वों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए हमें तैयार रहना है। त्यौहारों में नागरिक उत्साहपूर्वक सम्मिलित हो रहे हैं, जिसके दृष्टिगत पुलिस की व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हों, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि समस्त जिलों को अतिरिक्त बल उपलब्ध करा दिया गया है। पुलिस अधीक्षक पूरे बल की गहन समीक्षा कर सभी संवेदनशील तथा उपयुक्त स्थलों पर पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित करें। ग्राम/नगर रक्षा समिति का सहयोग लें। उन्होंने कहा कि जिला एवं थाना स्तर के अलावा आवश्यकतानुसार बीट्स, मोहल्ला पर भी शांति समिति की बैठक आयोजित करें। बीट स्तर की इंटेलीजेंस को अत्यधिक सक्रिय रखें।

डीजीपी श्री सक्सेना ने कहा कि त्यौहारों के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि महिलाओं के साथ कोई अभद्रता की घटना ना हो। महिलाओं के साथ छेड़खानी करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। गणेशोत्सव के दौरान महिलाओं के घर पहुंचने तक पुलिस मुस्तैदी से तैनात रहे। पंडालों में तथा जुलूस मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। सुनसान क्षेत्रों में पुलिस गश्त होती रहे। डीजीपी श्री सक्सेना ने कहा कि असामाजिक गतिविधियों को रोकने के लिए सजग रहें। विशेष तौर पर अवैध शराब कारोबारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। लाइसेंसी शराब दुकानें शासन के निर्धारित समय पर खुलें एवं बंद हों, यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें।

वहीं डीजे पर आपत्तिजनक गाने ना बजाए जाएं, इसके लिए डीजे संचालकों को निर्देशित करें। असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखें और उन पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए।डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए विशेष व्यवस्था की जाए।

अन्य विभागों से भी समन्वय बनाकर रखें। नागरिकों को समझाइश दें कि बिजली के खंभों, तारों आदि से दूर रहें। प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान घाटों पर सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। पंचायतों, नगरीय निकायों, स्वास्थ्य विभाग से भी समन्वय करें। आपदा प्रबंधन के लिए गोताखोर और नौका दलों के साथ-साथ आवश्यक स्वास्थ्य व्यवस्था सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

स्कूल और आंगनबाड़ी निर्माण के लिए गांव के भीतर भूमि आवंटन का दिया आदेश

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने गुरुवार को जिले राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर कार्यालय के सभागार में राजस्व अधिकारियों से कलेक्टर ने कहा, 'आरसीएमएस में दर्ज प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करें। राजस्व के प्रकरणों के निराकरण में किसी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। राजस्व विभाग में दर्ज प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए।'

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को गंभीरता से लें: बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की तहसीलवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में मिली शिकायत किसी भी हाल में अनअटेंडेड नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण हेतु शिकायतकर्ता से बात कर शिकायतों का निराकरण करें।

राहत राशि में नहीं हो देरी: कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आकस्मिक जनहानि और पशु हानि में मिलने वाली राहत राशि में किसी प्रकार का देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनहानि, पशु हानि पर उनके आश्रितों को मिलने वाली राहत राशि की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर, राहत राशि का भुगतान करने की कार्रवाई होनी चाहिए।

गांव के भीतर लें जमीन: बैठक मे कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग में हो रहे कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि लोक निर्माण विभाग से जितने भी स्कूल और आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण होना हैं, उनके लिए ऐसी जगह में जमीन आबंटन कराएं जिससे लोगों को पहुंचने में आसानी हो सके। इसके लिए गांव के बीचों-बीच जमीन लेने का प्रयास करें।

आधार लिंक का काम पूरा करें: बैठक में कलेक्टर ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत आधार लिंकिग के कार्य को भी पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में 18 साल से अधिक उम्र वाले ऐसे व्यक्ति जिनका आधार कार्ड किसी कारणवस अभी तक नहीं बन पाया है उनका आधार कार्ड बनानें की कार्रवाई का आदेश दिया है।

बैकुंठपुर में दबंगो ने किया गया जानलेवा हमला

मीडिया ऑडीटर, बैकुंठपुर निप्र। बैकुंठपुर में बीते दिनों गुप्ता परिवार के लोगों ने बैकुंठपुर निवासी सुरेश कचेर एवं उनके परिवार के लोगों के ऊपर जानलेवा हमला किया। हमले से सुरेश कचेर एवं उनके परिवार के लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। बताया गया है कि पियूष गुप्ता पिता घनश्याम गुप्ता द्वारा वर्षों से सरकारी आम निस्तार की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। कब्जे की वजह से आम लोगों का निस्तार बंद हो गया है। उसी सरकारी आम निस्तार से नगर पंचायत के सफाई कर्मचारियों का सफाई करने के लिए अन्दर आना जाना होता था उसी सरकारी जमीन के कब्जे की शिकायत व्यापारी सुरेश कचेर द्वारा सन् 2017 से लगातार की जा रही है। पियूष गुप्ता द्वारा अभी हाल में सरकारी अतरी आम निस्तार पर कब्जा कर दो मंजिला निर्माण करा लिया गया है। जिसकी शिकायत 16 जुलाई 2024 को पीड़ित के पुत्र द्वारा 181 पर की गई है जिसकी जांच जारी है उसी जांच से आक्रोशित होकर पियूष गुप्ता एवं उसके परिवार के लोगों ने सुरेश कचेर और उनके परिवार के ऊपर जानलेवा हमला किया गया।

सुरेश कचेर ने जानकारी देते हुए बताया कि पियूष गुप्ता द्वारा आम निस्तार की जमीन पर अवैध कब्जे की वजह से उनके घर के अंदर पानी जाता था तो पानी अंदर न आये तो चबूतरा बनाकर ऊंचा किया जा रहा था तभी पियूष गुप्ता सहित उनके परिवार के लोग योजना वद्ध तरीके से प्राणघातक हमला कर दिया गया हमले का शोर शराबा सुनकर जब सुरेश कचेर के घर के लोग आए तब उनके घर वालों को भी गुप्ता परिवार के सभी लोगों ने घर के अंदर घुसकर लाठी राड से मारपीट कर लहूलुहान कर दिया था।

उन्होंने बताया कि बैकुंठपुर नगर पंचायत के पूर्व पार्षद अरुण गुप्ता द्वारा रिपोर्ट लिखवाने जाते वक्त झंडा चौराहा बैकुंठपुर के पास रोककर पुत्र अंकित कचेर के ऊपर गुंडो द्वारा जानलेवा हमला किया गया। जिसकी शिकायत थाना बैकुंठपुर में की गई। पुलिस की शिकायत से व्यथित होकर गुप्ता परिवार के लोगों ने महिलाओं से छेड़छाड़ की झूठी रिपोर्ट सुरेश कचेर एवं उनके परिवार के लोगों के खिलाफ लिखाई है प्राण घातक हमला करने के बाद पुलिस की कार्रवाई से बचने एवं प्रार्थी के ऊपर दबाव बनाने हेतु आरोपी गणों ने बाद में झूठी रिपोर्ट प्रार्थी एवं उनके पुत्रों के विरुद्ध महिलाओं से दर्ज कराई है जबकि प्रार्थी और पुत्र द्वारा किसी महिला के साथ छेड़खानी नहीं की गई है। सुरेश कचेर को बदनाम करने की नियत से झूठी रिपोर्ट लिखवाई गई है उक्त रिपोर्ट सत्य नहीं है।

जैतपुर एसडीएम ने प्राइवेट स्कूल संचालकों की ली बैठक

मनमाने तौर पर फीस बढ़ोत्तरी पर लगाई रोक, एक साल में 10% वृद्धि होगी मान्य

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। जैतपुर क्षेत्र में संचालित निजी स्कूल संचालकों के साथ एसडीएम अमृता गर्ग ने बैठक आयोजित की। गुरुवार को आयोजित इस बैठक में क्षेत्र में संचालित सभी स्कूलों के संचालक उपस्थित हुए।

बैठक में अनुविभागीय अधिकारी जैतपुर अमृता गर्ग ने स्कूल संचालकों से फीस वृद्धि के नियंत्रण पर चर्चा की। उन्होंने ने स्कूल संचालकों को निर्देश दिए कि स्कूल संचालक मनमाने तौर पर स्कूल की फीस में वृद्धि नहीं कर सकते हैं। अनुविभागीय अधिकारी जैतपुर अमृता गर्ग ने स्कूल के संचालकों को निर्देश दिए की आप एक वर्ष में 10% से ज्यादा फीस में वृद्धि नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि संचालक फीस में वृद्धि करते हैं तो आपको उसे 90 दिन पहले डीपीआई पोर्टल में दर्ज कराना होगा।

इसके साथ ही स्कूल संचालन के लिए विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। यह बैठक जैतपुर एसडीएम कार्यालय में आयोजित की गई थी।

किसान को मिला 1 करोड़ का हीरा

8 साल बाद चमकी किस्मत, ग्रामीण ने कहा- बेटों के लिए खेती की जमीन खरीदूंगा

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। बेशकीमती हीरों के लिए विश्वविख्यात मध्यप्रदेश के पन्ना जिले की रत्नगर्भा धरती से एक बार फिर गरीब किसान की किस्मत चमकी है। जिसे 8 वर्ष की कड़ी मेहनत के बाद किसान स्वामीदीन पाल को सरकोहा क्षेत्र की खदान से 32.80 कैरेट का हीरा मिला है।

जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 से डेढ़ करोड़ रुपए बताई जा रही है। हीरा मिलने के बाद किसान ने हीरा कार्यालय में जमा कर दिया है। जिसे आने वाली हीरा नीलामी में रखा जाएगा।

किसान खेती के साथ करता था हीरे की तलाश: दरअसल, पन्ना के नगर रानीबाग मोहल्ला निवासी किसान स्वामीदीन पाल का सरकोहा में करीब दो एकड़ खेत है। जिसमें वह किसानी के साथ साथ हीरा कार्यालय से हीरा खनन के लिए पट्टा बनवाकर हीरे की तलाश 8 साल से कर रहे थे। पारिवारिक स्थिति सही न होने की वजह से खदान के काम के बाद किसान मजदूरी कर परिवार का पालनपोषण करता था।

लेकिन कहते हैं कि जब ऊपर वाला देता है तो छप्पड़ फाड़ के देता है। कुछ इसी प्रकार का वाक्या स्वामीदीन के साथ हुआ। 8 साल की परीक्षा के बाद आखिरकार उसकी किस्मत चमक ही गई।

गुरुवार सुबह जब वह अपने दोनों बेटों के साथ खदान में हीरे की चाल की धुलाई कर रहा था। तभी उसे बेशकीमती हीरा दिखा। जिसे पाने के बाद तुरंत अपने बेटों के साथ हीरा कार्यालय पहुंचा और हीरा जमा करवा दिया। जिसका वजन 32.80 कैरेट है। इस हीरे की अनुमानित कीमत करीब 1 से डेढ़ करोड़ बताई जा रही है। वहीं इस हीरे अगली आने वाली हीरा नीलामी में रखा जाएगा। नीलाम होने के बाद करीब 12 परसेंट रॉयल्टी काटकर बांकी रकम हीरा धारक किसान के खाते में भेज दी जाएगी।

हीरा पाने के बाद स्वामीदीन ने बताया कि जिंदगी भर बहुत ज्यादा गरीबी भोगी है। अब कहीं जाकर भगवान जुगलकिशोर सरकार ने सुनी है और बड़ा हीरा मिला है। दो बेटे हैं। जिनके कुछ खेती की जमीन खरीदूंगा। ताकि वह मजूदरी न करें।

कलेक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि नारंगीबाग के निवासी किसान को 32.80 कैरेट का बेशकीमती हीरा मिला है। जिसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ से अधिक है। निश्चत ही पन्ना में लोगों की रातोंरात किश्मत चमकती है। जनवरी से लेकर अब तक कुल 16 नग हीरे करीब वजन 124 कैरेट के हीरे पन्ना के हीरा कार्यालय में जमा हुए हैं।

'केयर ऑफ न्यूबोर्न' ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित

चिकित्सकों की लेबर रूम कार्यक्षमता को बढ़ाना है प्रोग्राम का उद्देश्य

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शहडोल के बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में दो दिवसीय "केयर ऑफ न्यूबोर्न" ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसका आरंभ गुरुवार को हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य, चिकित्सकों और नर्सिंग ऑफिसर्स की लेबर रूम में इलाज करने की कार्यक्षमता को बढ़ाना था।

सामान्य और कैजुअल देखभाल से होगी गंभीर रोगों की पहचान- डीन डॉ.जीबी रामटेके: प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ राजेश मिश्रा ने बताया कि यदि समय पर डिलेवरी के तुरंत बाद शिशु को सामान्य सुविधा मिल जाए तो नवजात को बचाया जा सकेगा वहीं यह प्रशिक्षण लेबर रूम में काम करने वाले चिकित्सकों की इस संबंध में कार्यक्षमता बढ़ाने में मदद करेगा।

वहीं कॉलेज के डीन डॉ.जीबी रामटेके ने बताया की पैदा होने के तुरंत बाद नवजात शिशुओं की सामान्य और कैजुअल देखभाल अगर सही तरीके से की जाए तो उनमें होने वाले हृदय के साथ और भी गंभीर रोगों की पहिचान आसानी से हो सकती है।

कार्यक्रम में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. एचपी सिंह ,डॉ.उमेश नामदेव, विभागअध्यक्ष मेडिकल कॉलेज डॉ.निशांत प्रभाकर, डॉ.स्वेतलीना ने चिकिसकों और नर्सिंग ऑफिसर को प्रशिक्षण के अलग अलग माध्यमों का प्रयोग करते हुए कौशल आधारित प्रशिक्षण दिया।

रैपुरा और सिमरिया में बाढ़ जैसे हालात

मंदिर में फंसे पुजारी को निकाला, एम्बुलेंस नहीं पहुंचने से गांव में प्रसूता ने दिया बच्ची को जन्म

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना में बीते तीन दिन में हुई भारी बारिश के चलते नदी नालों का जलस्तर बढ़ गया है। कई गांवों में चारों तरफ सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है। सबसे ज्यादा समस्या सिमरिया और रैपुरा क्षेत्र के गांवों से सामने आ रही है। जहां पटोरी, बंधा, गांव में फंसे मरीजों को एंबुलेंस और रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत कर अस्पताल तक पहुंचाया। वहीं महोड़ गांव में एंबुलेंस नहीं पहुंचने से प्रसूता ने गांव में ही बच्ची को जन्म दिया। कोल करहिया गांव में एक मंदिर में फंसे 75 वर्षीय पुजारी को एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला है।

दरअसल पन्ना में भारी का दौरा जारी है। सबसे ज्यादा बारिश रैपुरा और सिमरिया क्षेत्र में हुई हैं। जिससे क्षेत्र के दर्जनों गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित हो गई है। पटोरी गांव

में उल्टी दस्त से पीड़ित मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में समस्या हो रही थी क्योंकि गांव के चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा था। जिसके बाद परिजन मरीजों को गांव के बाहर लेकर आए, जहां से एंबुलेंस से तत्काल उन्हें पवई समुदायिक स्वास्थ केंद्र भिजवाया गया।

वहीं बंधा गांव में बुधवार रात काजल रजक पति बलराम रजक को सर्प ने काट लिया था। सुबह एंबुलेंस को फोन लगाया और एंबुलेंस गांव से डेढ़ किलोमीटर दूर आकर रुक गई क्योंकि इसके बाद पानी ज्यादा होने और सड़क मार्ग खराब होने से एंबुलेंस आगे नहीं जा रही थी। जिसके बाद एंबुलेंस कर्मचारियों ने गांव से महिला को बाइक से एंबुलेंस के पास तक बुलवाया और फिर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसकी हालत सही बताई जा रही है।

महोड़ गांव तक नहीं पहुंची एंबुलेंस तो घर पर ही प्रसूता ने दिया बच्ची को जन्म: महोड़ गांव में भारी बारिश के चलते आवागमन प्रभावित हो गया है। नाले के ऊपर से पानी चलने से गांव तक कोई वाहन नहीं पहुंच रहे हैं। सुबह से गांव की निवासी सरोज बसोर पति राकेश बसोर (26) को प्रसव पीड़ा होने पर एंबुलेंस को फोन लगाया गया लेकिन एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी। आशा कार्यकर्ता सूरज बाई उरमलिया ने बताया कि गांव के नाले उफान पर है जिससे एंबुलेंस नही पहुंच सकी। एंबुलेंस चालक ने गांव के दोनों रास्तों से आने का प्रयास किया लेकिन नहीं आ सकी। जिससे घर पर डिलीवरी करवानी पड़ी। वहीं मां और बच्चा दोनों स्वस्थ है।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ आयोजित

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर दिया जा रहा प्रशिक्षण, 350 से अधिक छात्राओं ने लिया हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले में पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर गुरुवार को छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षण दिया गया। सिंगरौली के जयंत स्थित केंद्रीय विद्यालय परिसर में इसका आयोजन हुआ, जिसमें 350 से अधिक छात्राओं ने आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षण लिया।

बालिकाओं और महिलाओं के साथ आए दिन हो रही हिंसा, छेड़छाड़, दुष्कर्म आदि घटनाओं से खुद की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया गया। इस कार्यक्रम में जूडो, कराटे, मार्शल, आर्ट जैसे आत्मरक्षा के लिए उपयोगी कला के गुर सिखाये गए। विद्यालय की छात्राओं ने काफी रुचि लेकर आत्मरक्षा प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। छात्राओं का कहना है कि आज की सिखाई गई सभी बातें एक दूसरे से शेयर करेंगे और लगातार अभ्यास करते रहेंगे।

इस अवसर पर जिला एसपी निवेदिता गुप्ता ने कहा, ' सभी जानते हैं कि सशक्त समाज के निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बालिकाओं और महिलाओं को उनके साहसी स्वरूप को पहचान कर उनको सशस्त्र बनाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे।' कार्यक्रम में जयंत चौकी प्रभारी उप निरीक्षक अभिषेक पांडे, सहायक उप निरीक्षक रवि गोस्वामी, प्रधान आरक्षक कुणाल सिंह एवं सेल्फ डिफेंस टेक्निकल डायरेक्टर गणेश सिंह, खुशबू साकेत, वंदना प्रजापति, अर्पिता विश्वास अपने टीम के साथ उपस्थिति रही।

पोषण महाअभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने जानकारी देकर बताया कि पोषण महाअभियान के तहत द्वितीय सप्ताह के दौरान गुरूवार को बाल विकास परियोजना सीधी क्र. 02 अंतर्गत सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती ज्योति खोब्रागड़े द्वारा प्राथमिक शाला चरकी पानी में उपस्थित बच्चों को मोटे अनाज से बने व्यंजनों एवं हरी सब्जियों के महत्व को बताया गया। साथ ही बच्चों को गुड टच-बैड टच के बारे में जानकारी दी गई। उपस्थित बच्चों को स्वच्छता साफ-सफाई के बारे में बताया गया। परियोजना सीधी क्र. 2 अंतर्गत ही संचालित आंगनवाड़ी केन्द्र बरमबाबा में पोषण महाअभियान के तहत सेक्टर पर्यवेक्षक ज्योति खोब्रागड़े द्वारा गर्भवती महिलाओं को हरी सब्जियों से प्राप्त होने वाली विटामिन से खून की पूर्ति आयरन फोलिक एसिड से होती है, उसका सेवन करने के लिये प्रोत्साहित किया गया है। पोषण मटका ग्रीन थाली के माध्यम से प्रोटीन विटामिन के महत्व को समझाया गया साथ ही मुनगा (सहजन) के महत्व के बारे बताया गया।

बाल विकास परियोजना सीधी क्र. 01 के आंगनवाड़ी केन्द्र नगर पालिका वार्ड क्र. 3/3 एवं वार्ड क्र.15/1 में पोषण माह अंतर्गत पोषण रैली, सुपोषण दिवस, पोषण मटका, अन्य मोटे अनाज से बने व्यंजनों एवं हरी सब्जियों का प्रदर्शन कर उपस्थित जन समुदाय को उनका महत्व बताया गया है।

नगर पालिका सीधी क्र. 01 अंतर्गत सेक्टर पर्यवेक्षक मंजुला तिग्गा द्वारा गणेश पंडाल में उपस्थिति हितग्राहियों को पोषण माह के अवसर पर किशोरी बालिकाओ/गर्भवती महिलाओं साफ सफाई एवं गर्भवती महिलाओं को हरी सब्जियों से प्राप्त होने वाली विटामिन से खून की पूर्ति आयरन फोलिक एसिड से होती है, उसका सेवन करने के लिये प्रोत्साहित किया गया है। पोषण मटका ग्रीन थाली के माध्यम से प्रोटीन विटामिन के महत्व को समझाया गया।

25वीं राज्य स्तरीय वूशु प्रतियोगिता सिवनी में सीधी के 8 गोल्ड मेडल

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। 25वीं राज्य स्तरीय वूशु प्रतियोगिता सिवनी में सीधी के खिलाड़ियों ने 8 गोल्ड मेडल सहित कुल 14 पदक जीते। पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में पुलिस सामुदायिक भवन में (वूशु ट्रैनिंग सेंटर पुलिस लाइन सीधी) में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी सीधी जिले के वूशु मार्शल आर्ट्स के खिलाड़ी 25वीं राज्य स्तरीय चौंपियनशिप जोकि सिवनी जिले में दिनांक 7 व 8 सितंबर 2024 को आयोजित हुई जिसमें सीधी से 16 खिलाड़ियों का दल गया था । सीधी वूशु खिलाड़ियों का 8 गोल्ड, 4 सिल्वर, 2 ब्रॉन्ज मेडल रहा जिसमें वैष्णवी त्रिपाठी 45 केजी , अनिशा यादव 56 केजी, ईक्षा तिवारी 65 केजी, आयुष कुमार वर्मा 56 केजी, पवन यादव 80 केजी, जगमोहन कुशवाहा 52 केजी, प्रियंका केवट 48 केजी , पियूष प्रताप सिंह ताऊलु में गोल्ड मेडल रहा । इसी प्रकार बाल कुमार लीनिया 60 केजी में

सिल्वर, काजू सोधिया ताउलु (काता) में 3 सिल्वर रहा , व अवनी मिश्रा 21 केजी ब्रॉन्ज मेडल,आलशीला केवट 42 केजी में ब्रोंज मेडल रहा । वही आशुतोष केवट 24 केजी, सुरियांस सिंह चौहान 32 केजी, अनुज तिवारी 38 केजी, अंकित सेन 48 केजी में सहभागिता रही। टीम मैनेजर गुंजन मिश्रा थी। ये सभी खिलाडी वूशु ट्रैनिंग सेंटर पुलिस लाईन सीधी में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कुशल जिला खेल प्रशिक्षक मानिंद शेर अली खान द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रतियोगिता का आयोजन तीन आयु समूहों में किया गया था। सिनियर 18 वर्ष और उससे अधिक, सब जूनियर 12 से 14 वर्ष, सबजूनियर 12 वर्ष से कम। इस स्पर्धा में चयनित सीनियर खिलाड़ी आगामी सीनियर राष्ट्रीय स्पर्धा देहरादून में दिनांक 22 सितंबर से भाग लेंगे।

मध्य प्रदेश से सभी वर्गों के कुल 52 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्पर्धा हेतु किया गया । सब जूनियर राष्ट्रीय स्पर्धा का आयोजन दिसंबर में ओडिसा में प्रस्तावित है।

जिला खेल अधिकारी अरविंद कुमार श्रीवास्तव के द्वारा इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए मेडल लाने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नेशनल में भी सभी को मेडल लाना है व नेशनल गेम में भी सीधी का नाम रोशन करना है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है और स्वस्थ मन में स्वस्थ विचार आता है। खेल खेलो, स्वस्थ रहो और राष्ट्र अभिमान बढ़ाओ।

सीताराम येचुरी के असमायिक निधन पर शोक

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। वामपंथी दल सीपीएम के नेता सीताराम येचुरी के असमायिक निधन पर देश में शोक का वातावरण है । पिछले कुछ दिनों से वे अस्वस्थ थे, निमोनिया के संक्रमण के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था जहां उन्होंने अंतिम सांस ली । येचुरी के निधन पर समाजवादी जन मोर्चा के वरिष्ठ नेता एवम मीसाबंदी कोशल सिंह, बृहस्पति सिंह, अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह एड, मीसाबंदी रामेश्वर सोनी, माहेश्वरी त्रिपाठी, धीरेष सिंह एड, सत्येंद्र तिवारी एडवोकेट, रामराज सिंह सिंह एडवोकेट, उदयराज सिंह एडवोकेट, स्वादीप सिंह एड, शशि सोंधिया आदि नेताओ ने अपने शोक संदेश में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा है कि येचुरी अपने छात्र जीवन से ही गरीबों और वंचितों की लड़ाई लड़ते रहे और आपातकाल के दौरान मीसा के तहत जेल में भी रहे। उन्होंने कभी सत्ता, संपति और पद से मोह नहीं रखा और साम्यवादी विचारो के लिए अपने अंतिम सांस तक प्रतिबद्ध रहे । उनका निधन देश के लिए खास कर साम्यवादी आंदोलन के लिए अपूरणीय क्षति है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 3169/न.पा.नि./राजस्व/2024-25 रीवा, दिनांक 12/9/2024

अचल सम्पति नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधार न्यास रीवा की योजना क्रमांक-7 यातायात नगर रीवा जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में स्थित योजना भूखण्ड क्रमांक S/35 क्षेत्रफल 43.65 वर्गफिट **श्री अशोक कुमार सिंह बद्येल पिता स्व. श्री तेजभान सिंह बद्येल** निवासी नेहरू नगर रीवा (म.प्र.) को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, जिसका नामान्तरण श्री आकाश कुमार सोनी पिता श्री राकेश कुमार सोनी निवासी आजाद मार्ग घोघर रीवा मध्यप्रदेश के नाम किये जाने हेतु दिनांक 29.08.2024 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखण्ड क्रमांक S/35 के नामांतरण में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात आवेदक श्री अशोक कुमार सिंह बद्येल पिता स्व. श्री तेजभान सिंह बद्येल निवासी नेहरू नगर नगर रीवा (म.प्र.) के आवेदन अनुसार भूखण्ड क्रमांक S/35 का नामांतरण श्री आकाश कुमार सोनी पिता श्री राकेश कुमार सोनी निवासी आजाद मार्ग घोघर रीवा मध्यप्रदेश के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

विचार

गरज रहा भारत का आसमान

'तरंग शक्ति' का आयोजन पहले 2023 के अंत में करने की योजना थी लेकिन कुछ कारणों से उसे उस समय टाल दिया गया था और अब आयोजित किए जा रहे इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में स्वदेशी वायु रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसमें विशेष रूप से भारत की रक्षा उत्पादन क्षमताओं को दर्शाया जा रहा है। भारत की निरंतर बढ़ती रक्षा क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर उजागर करने तथा विविध भागीदारी अंतर्राष्ट्रीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने में अभ्यास के महत्व को रेखांकित करने के लिए इन दिनों जोधपुर में बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' का आयोजन चल रहा है, जो भारत की रक्षा कूटनीति और सैन्य सहयोग में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारतीय वायुसेना की मेजबानी में जोधपुर में शुरू हुए सबसे बड़े बहुपक्षीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति' का दूसरा चरण 14 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत के अलावा सात देशों के विमान एक साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, ग्रीस और यूएई की वायुसेना टीम शामिल हैं। 'तरंग शक्ति' वायु अभ्सास का उद्देश्य विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता में सुधार करना, आधुनिक युद्ध में सामूहिक सुरक्षा और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना है। इस 'वॉर एक्सरसाइज' में भारतीय वायुसेना और विदेशी विमान आसमान में अपना कौशल दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। जोधपुर के आसमान में जब भारत की 'सूर्य किरण टीम' ने 9 हॉक्स विमानों के जरिये जोधपुर के आसमान में 'तिरंगा' बनाते हुए विलक्षण करतब दिखाए तो हर कोई दांतों तले उंगली दबाये उसे निहारता ही रह गया। 'तरंग शक्ति' के दौरान 9 सितंबर को तो जोधपुर में भारत की तीनों सेनाओं ने उस समय इतिहास रच दिया, जब पहली बार जल, थल और वायु सेना के उप-प्रमुखों ने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी। यह पहला अवसर था, जब आर्मी के वाइस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, एयरफोर्स के वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह और नौसेना के वाइस चीफ कृष्णा स्वामीनाथन ने 'तेजस' में उड़ान भरी और भारत के तीनों वाइस चीफ की ये उड़ान भारत के लिए रणनीतिक तौर पर अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

अमेरिका में लगातार बिगड़ती आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति

प्रह्लाद सबनानी

विश्व में कई गतिविधियां एक चक्र के रूप में चलती रहती है। एक कालखंड के पश्चात चक्र कभी नीचे की ओर जाता है एवं एक अन्य कालखंड के पश्चात यह चक्र कभी ऊपर की ओर जाता हुए दिखाई देता है। विदेशी व्यापार के मामले में वर्ष 1750 तक पूरे विश्व में भारत की तूती बोलती रही है, परंतु इसके पश्चात यूरोपीयन देशों ने विस्तारवादी नीतियों के चलते अपने आर्थिक हित साधते हुए विभिन्न देशों पर अपना कजा जमा लिया। ब्रिटेन, फ्रांन्स, डच जैसे देशों ने एशियाई देशों एवं कुछ अफ्रीकी भू भाग पर पर अपना कजा जमाया तो स्पेन आदि देशों ने अमेरिकी महाद्वीप पर अपना कजा जमाया।

समय के साथ चक्र कुछ इस प्रकार चला कि वर्ष 1950 आते आते अमेरिका पूरे विश्व में सबसे अमीर देशों की श्रेणी में शामिल हो गया और ब्रिटेन, जिसके बारे में कभी कहा जाता था कि ब्रिटेन की महारानी के राज्यों में सूरज कभी डूबता नहीं है, का आर्थिक दृष्टि से ढलान शुरू हो गया और आज ब्रिटेन के आर्थिक एवं सामाजिक ढांचे की स्थिति हम सभी के सामने है। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था हाल ही में पूरे विश्व में छठे स्थान पर पहुंच गई है तथा अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी के पश्चात भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। जबकि वर्ष 1750 के पश्चात जब ब्रिटेन ने भारत पर अपना कब्जा स्थापित कर लिया था उसके बाद भारत की स्थिति यहां तक बिगड़ी थी कि पूरी विश्व की अर्थव्यवस्था में भारत के विदेश व्यापार की हिस्सेदारी वर्ष 1750 के 32 प्रतिशत से घटकर वर्ष 1947 में 3 प्रतिशत के नीचे आ गई थी। परंतु, एक बार फिर कालचक्र अपना रंग दिखाता हुआ नजर आ रहा है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था के साथ ही वहां का सामाजिक ताना बाना भी छिन्न भिन्न होता हुआ दिखाई दे रहा है।

दरअसल, अमेरिका ने पूंजीवादी नीतियों को अपनाकर अपने नागरिकों में केवल आर्थिक उन्नति को ही विकास के एकमात्र मार्ग के रूप में चुना था, इससे वहां के नागरिकों में किसी भी प्रकार से धन अर्जन करने की प्रवृत्ति विकसित हुई एवं सामाजिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक ताना बाना छिन्न भिन्न हो गया। परिवार व्यवस्था समाप्त हो गई जिसका परिणाम आज हमारे सामने हैं कि आज अमेरिका में नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजना, मेडीकेयर योजना, मेडीकैड योजना, प्रौढ़ नागरिकों को सुविधाएं एवं केंद्र (फेडरल) सरकार के कर्मचारियों को अदा की जा रही पेंशन, आदि योजनाएं सरकार द्वारा नागरिकों के हितार्थ अमेरिका में चलानी पड़ रही हैं। इन योजनाओं पर खर्च किए जा रहे 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि का लाभ करोड़ों अमेरिकी नागरिक प्रतिवर्ष उठा रहे हैं। यह राशि अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद का 14 प्रतिशत है। सुरक्षा की मद पर भी अमेरिका द्वारा 70,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का खर्च प्रतिवर्ष किया जाता है। बेरोजगारी बीमा लाभ योजना पर भी भारी भरकम राशि अमेरिकी सरकार द्वारा प्रतिवर्ष खर्च की जाती है। अमेरिका में सेवा निवृत्त हो रहे कर्मचारियों की संख्या लगातार बढ़ रही है जिसके कारण इस मद पर व्यय की जाने वाली राशि में भी बेतहाशा वृद्धि हो रही है, साथ ही लगातार बढ़ रहा सुरक्षा खर्च, स्वास्थ्य सेवाओं पर व्यय की लगातार बढ़ रही राशि के बीच वर्तमान में कर की दरों में वृद्धि नहीं करने के कारण बजटीय घाटे पर दबाव बढ़ता जा रहा है। इकोनोमिक रिपोर्ट आफ द प्रेजीडेंट के अनुसार अमेरिका में वर्ष 2000 में 23,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का बजट आधिक्य था जो वर्ष 2001 में घटकर 12,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया। परंतु, वर्ष 2002 में एक बार जो 15,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का बजट घाटा प्रारम्भ हुआ तो इसके बाद से वह बढ़ता ही गया है। वर्ष 2009 में तो बजट घाटा बढ़कर 141,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया, वर्ष 2010 में 129,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2011 में 130,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2012 में 108,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं वर्ष 2020 में 313,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2021 में 277,000 करोड़ अमेरिको डॉलर एवं वर्ष 2022 में 188,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है।

अमेरिका में प्रति परिवार वास्तविक औसत आय वर्ष 1973 में (वर्ष 2015 में डॉलर की कीमत पर) 50,000 अमेरिकी डॉलर थी। अमेरिका के लगभग आधे परिवारों की वास्तविक औसत आय 50,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक थी एवं शेष आधे परिवारों की 50,000 अमेरिकी डॉलर से कम थी, जिससे आय की असमानता आज की तुलना में कम दिखाई देती थी। वर्ष 1973 से वर्ष 2015 तक अमेरिका में उत्पादकता में 115 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि परिवारों की औसत आय (मुद्रा स्फीति के समायोजन के बाद) केवल 11 प्रतिशत ही बढ़ी है। यह भी, इस बीच, अमेरिकी महिलाओं को भारी मात्रा में प्रदान किए गए रोजगार के अवसरों के चलते सम्भव हो पाया है। इस प्रकार, मुद्रा स्फीति के समायोजन के पश्चात, अमेरिका में वर्ष 1973 के पश्चात औसत आय में वृद्धि नगण्य ही रही है। वर्ष 1973 से वर्ष 2007 के बीच अमेरिकी मध्यवर्गीय परिवारों ने उपभोग पर औसत खर्च को दुगने से भी अधिक कर दिया है। जिसके कारण इन परिवारों की बचत दर 10 प्रतिशत से घट कर 2 प्रतिशत हो गई है। बल्कि कई परिवारों को तो अपने मकानों पर ऋण लेकर एवं क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण लेकर भी काम चलाना पड़ रहा हैं। जोसेफ शूम्पटर के अनुसार अमेरिका में कार ने घोड़ा गाड़ी को खत्म कर दिया एवं कम्प्यूटर ने टाइपराइटर को खत्म कर दिया। इसे रचनात्मक विनाश (क्रीएटिव डेस्ट्रक्शन) का नाम दिया गया, क्योंकि इससे उत्पादकता का स्तर बढ़ा था, परंतु रोजगार के लाखों अवसर समाप्त हो गए थे। अमेरिका में आज 5 में से 4 रोजगार के अवसर, सेवा क्षेत्र में उत्पन्न होते हैं, जहां तुलनात्मक रूप से आय कम है। कृषि एवं उद्योग (विनिर्माण सहित) क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बहुत कम मात्रा में उपलब्ध हो पा रहे हैं।

60 वर्ष पूर्व तक अमेरिका विदेशी व्यापार के मामले में आत्मनिर्भर था। अमेरिका में विभिन्न उत्पादों का जितना उपभोग होता था उन लगभग समस्त उत्पादों का उत्पादन भी अमेरिका में ही होता था। बल्कि, विदेशी व्यापार के मामले में तो उस समय अमेरिका के पास विदेश व्यापार आधिक्य शेष रहता था। आज अमेरिका में विभिन्न उत्पादों का जितना उत्पादन होता है उससे कहीं अधिक उपभोग होता है। अमेरिकी नागरिक आज अपनी आय से अधिक व्यय करता हुआ दिखाई देता है। अमेरिका में कई नए शहरों की बसावट के पहिले, समस्त बड़े नगरों में 75 प्रतिशत श्रमिक रेल्वे एवं बसों से यात्रा करते थे।

परंतु आज केवल 5 प्रतिशत नागरिक ही पब्लिक वाहनों का उपयोग, एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने जाने के लिए, करते हैं। समस्त नागरिकों के पास अपनी अपनी कार है एवं केवल स्वयं ही उस कार में वे यात्रा करते हुए पाए जाते हैं। इससे पेट्रोल, डीजल एवं गैस की खपत में बेतहाशा बृद्धि दर्ज हुई है। द्वितीय विश्व युद्ध तक अमेरिका कच्चे तेल का एक निर्यातक देश हुआ करता था परंतु आज अमेरिका अपनी कच्चे तेल की कुल आवश्यकता का एक तिहाई भाग आयात करता है। अमेरिका में वर्ष 2000 में विदेशी व्यापार घाटा 38,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का था जो 2021 में बढ़कर 86,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। 1970 के दशक तक, लगभग प्रत्येक वर्ष, अमेरिका के पास विदेशी व्यापार आधिक्य हुआ करता था। परंतु, इसके पश्चात अमेरिका की स्थिति विदेशी व्यापार के मामले में लगातार बिगड़ती चली गई है। अमेरिका में उच्च आय वाले क्षेत्रों में रोजगार के अवसर लगातार कम हो रहे हैं। अमेरिका में प्रति घंटा औसत मजदूरी की दर वर्ष 1973 से (मुद्रा स्फीति की दर के समायोजन के पश्चात) लगभग नहीं के बराबर बढ़ी है। अमेरिका में आय की असमानता लगातार बढ़ती जा रही है। फेडरल बजट घाटा अब अरक्षणीय (अनसस्टेनेबल) स्तर पर पहुंच गया है। विदेशी व्यापार घाटा के लगातार बढ़ते जाने से आज अमेरिका 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का ऋण प्रतिदिन ले रहा है।

अमित शाह के आश्वासन को भाजपा ने क्यों किया दरकिनार?

नीरज कुमार दुबे

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर और अपने दम पर सरकार बनाने के इरादे से चुनावी मैदान में उतरी भाजपा इस केंद्र शासित प्रदेश में बिल्कुल नई रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। भाजपा जम्मू-कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा में स्पष्ट बहुमत तो चाह रही है मगर उसने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार ही नहीं उतारे हैं इसलिए सवाल उठ रहा है कि जब सभी सीटों पर वह लड़ ही नहीं रही है तो सरकार कैसे बना लेगी? हम आपको बता दें कि भाजपा घाटी की सिर्फ 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। देखा जाये तो कश्मीर घाटी में 28 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने का भाजपा का फैसला हैरानी भरा है क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की थी कि पार्टी जम्मू-कश्मीर की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। गत सप्ताह भाजपा का संकल्प पत्र जारी करने केंद्र शासित प्रदेश के दौरे पर आये अमित शाह ने दावा किया था कि भाजपा ही केंद्र शासित प्रदेश में सरकार बनाएगी। इसलिए सवाल उठता है कि भाजपा सरकार बनाने लायक नंबर कहां से लायेगी? हम आपको बता दें कि कश्मीर घाटी में भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में कड़ी मेहनत कर अपना पार्टी संगठन खड़ा किया था और विभिन्न क्षेत्रों में उसके पास समर्थकों की अच्छी खासी तादाद भी है लेकिन इसके बावजूद पार्टी ने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे जिससे पार्टी के तमाम कार्यकर्ता नाराज बताये जा रहे हैं। हालांकि भाजपा इस नाराजगी को ज्यादा तवज्जो नहीं दे रही और उसका कहना है कि कश्मीरी जनता हमें उन 19 सीटों पर भारी बहुमत देगी जहां हमने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। मगर कश्मीर घाटी

में भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी चुनाव में उम्मीदवार ही नहीं उतार रही है तो फिर उन्हें लगता है कि इस पार्टी में उनका कोई भविष्य नहीं है। श्रीनगर में एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि हमने वर्षों से विपरीत माहौल में पार्टी को खड़ा करने के लिए कड़ी मेहनत की लेकिन जब हमें पुरस्कृत करने का समय आया, तो पार्टी ने हम पर भरोसा नहीं किया। उन्होंने या तो सीटें छोड़ दीं या ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारा जो पार्टी में नए हैं। कश्मीर घाटी के भाजपा नेता और कार्यकर्ता अमित शाह के वादे पर भी सवाल उठा रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि इसी साल मई में घाटी की अपनी यात्रा के दौरान, भाजपा नेताओं के साथ बातचीत करते हुए अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के दौरान कश्मीर घाटी की सभी तीन सीटों को छोड़ने के फैसले पर खेद व्यक्त किया था। हम आपको याद दिला दें कि लोकसभा चुनावों में जम्मू में आने वाली दो सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी और उसने कश्मीर की तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। अमित शाह ने उस समय पार्टी कार्यकर्ताओं से जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने का आग्रह करते हुए कहा था कि भाजपा इस बार सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसलिए सवाल उठ रहा है नेताओं और कार्यकर्ताओं को दिये गये आश्वासन के बावजूद भाजपा ने अपना मन क्यों बदला? हम आपको बता दें कि कश्मीर में पार्टी के 19 उम्मीदवारों में दक्षिण कश्मीर की 16 विधानसभा सीटों में से आठ, मध्य कश्मीर की 15 में से छह और उत्तरी कश्मीर की 16 विधानसभा सीटों में से पांच शामिल हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि वह घाटी में किसी चमत्कार की उम्मीद नहीं कर रहे हैं और केवल 19 उम्मीदवारों को मैदान में उतारने का निर्णय एक सोचा समझा फैसला है ताकि कुछ स्वतंत्र उम्मीदवारों को जीत हासिल करने में मदद मिल सके। भाजपा सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनावों में भी कश्मीर घाटी की तीनों लोकसभा सीटें इसलिए छोड़ी गयीं थीं कि अन्य ताकतवर उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को हरा सकें और पार्टी की वह रणनीति कामयाब रही थी। भाजपा सूत्रों का कहना है कि कश्मीर घाटी में इस बार कई स्वतंत्र उम्मीदवार जीतने की हैसियत रखते हैं इसलिए उनकी राह में बाधा बनना सही नहीं है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि यह स्वतंत्र उम्मीदवार जीत हासिल करते हैं तो सरकार बनने की स्थिति में पार्टी की मदद कर सकते हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि 28 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने का फैसला इसलिए भी लिया गया है ताकि वंशवादी राजनीति करने वाले नेताओं को हराने में अन्य प्रबल उम्मीदवारों की मदद की जा सके। भाजपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व जानता है कि श्रीनगर की एक सीट पर ही उसकी जीत की पूरी संभावना है। इसलिए छोड़ी गयी सीटों पर सीधे पार्टी के उम्मीदवार नहीं उतार कर डमी उम्मीदवार उतारे गये हैं जो समय आने पर भाजपा के लिए मददगार साबित होंगे। हालांकि भाजपा की इस रणनीति को कश्मीरी नेता बखूभी समझ रहे हैं। हम आपको बता दें कि नेशनल कांफ्रेंस का अब्दुल्ला परिवार और पीडीपी की महबूबा मुफ्ती खुलेआम कह रहे हैं कि भाजपा ने निर्दलीयों और नये दलों की फौज उतार दी है ताकि कश्मीर में दशकों से राजनीति कर रहे दलों के समीकरण बिगड़ जायें। यही नहीं, दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग से भाजपा उम्मीदवार रफीक वानी ने भी खुले तौर पर दावा कर दिया है कि नए क्षेत्रीय दल और निर्दलीय हमारे ही हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि इंजीनियर राशिद हमारे हैं, सज्जाद लोन भी हमारे हैं, अल्ताफ बुखारी भी हमारे हैं और गुलाम नबी आज़ाद भी हमारे ही हैं, निर्दलीय उम्मीदवार भी हमारे ही हैं।

हम आपको बता दें कि भाजपा का प्रयास है कि उसे जम्मू में 35 और कश्मीर से सभी 19 सीटें मिल जाएं ताकि 90 सदस्यीय विधानसभा में वह स्पष्ट बहुमत हासिल कर सके। भाजपा को यह भी लगता है कि कश्मीर में पांच पार्टियां समय आने पर उसका समर्थन कर सकती हैं। घाटी में चर्चाएं तो यहां तक हैं कि अभी कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ रही नेशनल कांफ्रेंस भी जरूरत पड़ने पर सरकार गठन के लिए भाजपा के साथ जा सकती है। हम आपको याद दिला दें कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय में नेशनल कांफ्रेंस एनडीए का हिस्सा रह चुकी है। उस समय उमर अब्दुल्ला वाजपेयी सरकार में विदेश राज्य मंत्री थे। बहरहाल, घाटी की 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारने के फैसले के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के प्रचार की शुरुआत कश्मीर घाटी से ही करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार के लिए 19 सितंबर को श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर पार्क में एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। बताया जा रहा है कि इस रैली में करीब 30,000 पार्टी कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। देखना होगा कि जम्मू-कश्मीर की राजनीति का ऊँट किस करवट बैठता है?

युवक की गर्दन काटकर हत्या

जंगल में मिली सिर धड़ से अलग लाश, सड़क से घसीटकर ले गए, फिर किए टुकड़े-टुकड़े

मीडिया ऑडीटर, जशपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में एक युवक की सिर कटी लाश मिली है। बताया जा रहा है कि युवक को सड़क से घसीटकर जंगल में ले जाया गया है। इसके बाद गर्दन काटी गई है। सिर और धड़ आस-पास में ही मिले हैं। मामला कुनकुरी थाना क्षेत्र के श्रीनदी से सटे जंगल का है। बताया जा रहा है कि राहगीरों ने लाश देखी। इसके बाद तत्काल कुनकुरी पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक के बाएं हाथ में एक टैटू: प्रत्यक्षदर्शी दिलीप राम ने बताया कि जब वह पहुंचा तो सिर और धड़ अलग दिखे। शरीर पर गहरे जख्म के निशान हैं। किसी ने धारदार हथियार से कई वार कर मारा है। आस-पास खून ही खून बिखरा दिखा। मृतक के बाएं हाथ में एक टैटू बना है, जो रिंग के आकार में है।

फोरेंसिक टीम मौके से सबूत जुटा रही: वहीं मामले की जानकारी मिलते ही लाश को देखने कुनकुरी-तपकरा रोड पर श्रीनदी पुल के पास राहगीर और स्थानीय लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ जुट गई। वहीं पुलिस और फोरेंसिक टीम को मौके पर मौजूद है। फोरेंसिक टीम मौके से सबूत जुटा रही है।

दुश्मनी या कोई पुरानी रंजिश में हत्या की आशंका: कुनकुरी थाना प्रभारी सुनील सिंह ने मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। घटनास्थल की स्थिति और लाश की स्थिति को देखकर लग रहा है कि हत्या बहुत ही योजनाबद्ध तरीके से की गई है। गले के शॉर्प हथियार से काटा गया है। व्यक्तिगत दुश्मनी या कोई पुरानी रंजिश का नतीजा हो सकता है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

ऑनलाइन कंपनियों के ऑफिस में चोरी

4 महीने में दूसरी बार तोड़ी गई तिजोरी, 6 लाख कैश चुरा ले गए चोर

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग एजेंसी। दुर्ग जिले के भिलाई 3 इलाके में बुधवार रात चोरों ने दो दुकानों के शटर तोड़कर 5-6 लाख रुपए की चोरी की है। चार महीने में दूसरी बार उसी जगह पर तिजोरी टूटी है, जहां पहले तोड़ी गई थी। घटना पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, दादर इलाके में फ्लिपकार्ट और ई-कॉमर्स नाम की दो कंपनियों का ऑफिस है। इस ऑफिस से ऑनलाइन ऑर्डर के कूरियर को लोगों के यहां पार्सल किया जाता है। जो पैसा मिलता है, उसे यहां रखी बड़ी तिजोरी के अंदर रखा जाता है।

बुधवार रात में घुसे थे चोर: बुधवार रात को यहां कुछ अज्ञात लोग पहुंचे। उन्होंने दुकान के शटर को बीच से उठाया और अंदर घुस गए। इसके बाद अंदर रखी भारी भरकम तिजोरी को बाहर निकाल ले गए। दोनों ही कंपनियों की तिजोरी को वो लोग लगभग एक किलोमीटर दूर किसी पटेल के खेत में ले गए।

तिजोरी तोड़कर सभी पैसे निकाल लिए और वही छोड़कर भाग गए। फ्लिपकार्ट की तिजोरी में 5-6 लाख रुपए कैश था। वहीं, ई-कॉमर्स की तिजोरी खाली बताई जा रही है।

डीवीआर निकालकर ले गए चोर

दोनों ही कंपनी के ऑफिस में सीसीटीवी कैमरे लगे थे। ऑरोपी इतने शातिर हैं कि, वारदात को अंजाम देने के बाद वो लोग दोनों जगहों के डीवीआर को निकालकर अपने साथ ले गए। इसलिए पुलिस को घटना स्थल से कोई फुटेज भी नहीं मिल पाया है।

सिर्फ तिजोरी लेकर गए सामान नहीं: फ्लिपकार्ड के मैनेजर ने पुलिस को बताया कि, ऑफिस के अंदर कई लोगों के ऑर्डर का सामान डंप है, लेकिन वो पूरी तरह से सुरक्षित है। चोर केवल उनके यहां से तिजोरी लेकर गए हैं। वो दोनों तिजोरी भी एक खेत में टूटी मिली है।

एक पैटर्न पर 4 महीने में दूसरी बार चोरी: स्थानीय लोगों का कहना है कि, जिन लोगों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया, उन लोगों ने पुलिस को एक तरह से चुनौती दी है। सेम पैटर्न में चार महीने पहले भी इन्हीं दोनों ऑफिस में चोरी हो चुकी है। उस समय भी तिजोरी तोड़ी गई थी, लेकिन पुलिस आरोपियों तक नहीं पहुंच पाई है।

पीएम आवास से संवर रहे हैं पार्वती के सपने

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाय) ने देश के लाखों गरीब परिवारों के जीवन को बदलने का काम किया है और उनमें से एक हैं एमसीबी जिले की पार्वती बैगा भी शामिल हैं। पार्वती बैगा जो कि एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखती हैं। इस योजना के तहत एक पक्का घर मिला है, जिससे उनके जीवन में एक नई उम्मीद और स्थिरता आई है। पार्वती बैगा पहले एक अस्थायी झोपड़ी में रहती थीं। जहां बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी थी। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उनका नाम चयनित होने के बाद, उन्हें एक पक्का घर बनाने के लिए वित्तीय सहायता दी गई। सरकार द्वारा प्रदान की गई सहायता से पार्वती ने अपने परिवार के लिए एक सुरक्षित और मजबूत घर का निर्माण कराया, जिसमें शौचालय, बिजली और पानी जैसी जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। पार्वती बैगा ने बताया, हमारे पास एक स्थायी घर नहीं था, और बारिश के मौसम में हमें बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। प्रधानमंत्री आवास योजना के कारण आज हमारे पास अपना घर है। अब हम सुरक्षित महसूस करते हैं और अपने बच्चों को बेहतर भविष्य दे सकते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देशभर में लाखों गरीब परिवारों को घर मुहैया कराए जा रहे हैं। यह योजना न केवल लोगों को रहने के लिए एक स्थायी जगह देती है, बल्कि उनकी जीवन शैली में भी महत्वपूर्ण सुधार लाती है। पार्वती बैगा की कहानी इस योजना की सफलता का प्रमाण है, जो सरकार की इस पहल के तहत गरीबों के जीवन को सशक्त बनाने में मदद कर रही है।

16-27 सितंबर तक बिलासपुर जोन की कई ट्रेनें प्रभावित

1 ट्रेन कैंसिल और 6 के बदले रूट, 5 गाड़ियां देर से होंगी रवाना

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर रेलवे जोन से होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनें 16 से 27 सितंबर के बीच प्रभावित होंगी। इनमें टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस कैंसिल रहेगी। वहीं 6 ट्रेनों के रूट बदलेंगे और 5 गाड़ियां देर से रवाना होंगी। तीसरी रेल लाइन के कार्य के कारण रेल यात्रियों की परेशानी बढ़ेगी।

दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत आदित्यपुर-खड़गपुर रेलवे स्टेशनों के बीच तीसरी लाइन को आदित्यपुर स्टेशन से जोड़ने का कार्य ब्लॉक लेकर किया जाएगा। इस दौरान कुछ गाडियों का परिचालन प्रभावित रहेगा, जो इस प्रकार हैं-

ये ट्रेन कैंसिल रहेगी: 28 सितम्बर को गाड़ी संख्या 18113/18114 टाटानगर-बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी ।

इन ट्रेनों के के रूट डायवर्ट-

1. 27 सितम्बर को आरा से चलने वाली 13288 आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग चांडिल- कान्द्रा जंक्शन -सिनी होकर रवाना होगी ।

2. 28 सितम्बर 2024 को दुर्ग से चलने वाली 13287 दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग सिनी- कान्द्रा जंक्शन- चांडिल होकर रवाना होगी ।

3. 28 सितम्बर को हावड़ा से चलने वाली 12222 हावड़ा-पुणे दुरन्तो एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग खड़गपुर-मिदनापुर-चांडिल-कान्द्रा जंक्शन-चक्रधरपुर होकर रवाना होगी ।

4. 18 सितम्बर को रानी कमलापति से चलने वाली 22169 रानी कमलापति-शालीमार एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग चक्रधरपुर-कान्द्रा जंक्शन-आद्रा-मिदनापुर-खड़गपुर होकर रवाना होगी ।

देर से रवाना होने वाली ट्रेनें-

1. 28 सितम्बर को जबलपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20827 जबलपुर-शालीमार एक्सप्रेस 3 घंटे देरी से रवाना होगी।

2. 27 सितम्बर को योग नगरी ऋषिकेश से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18478 योग नगरी ऋषिकेश-पूरी उत्कल एक्सप्रेस 6 घंटे देरी से रवाना होगी ।

3. 28 सितम्बर को सांतरागाछी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20822 सांतरागाछी-पुणे एक्सप्रेस 2 घंटे देरी से रवाना होगी ।

4. 29 सितम्बर को रानी कमलापति से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22169 रानी कमलापति-सांतरागाछी एक्सप्रेस 2 घंटे 15 मिनट देरी से रवाना होगी ।

5. 22 सितम्बर को मुंबई से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12809 मुंबई-हावड़ा एक्सप्रेस 2 घंटे देरी से रवाना होगी।

जिले के 22 परीक्षा केंद्रों में होगा हॉस्टल अधीक्षक परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के द्वारा 15 सितंबर 2024 दिन रविवार को छात्रावास हॉस्टल अधीक्षक (टीएचएस240) की परीक्षा दोपहर 12:00 से 02:15 बजे तक जिले के 22 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जायेगी। परीक्षा को सुचारू रूप से संचालन हेतु पर्यवेक्षक एवं अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। नियुक्त अधिकारी परीक्षा की गोपनीय सामग्री परीक्षा दिनांक 15 सितंबर 2024 को प्रातः 10:00 बजे अनिवार्य रूप से जिला कोषालय मनेंद्रगढ़ स्ट्रॉग रूम से प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा परीक्षा समाप्ति पश्चात् समन्वयक, प्राचार्य शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के पास जमा करेंगे। अधिकारियों एवं परीक्षा केंद्र इस प्रकार है। तरूण कुमार एक्का को 42001 शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़, शैलेश कुमार गुप्ता को 42002 शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेंद्रगढ, विनय त्रिपाठी को 42003 शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेंद्रगढ़(ई.), वैशाली सिंह को 42004 शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेंद्रगढ (टी.), विकास मिश्रा को 42005 शासकीय हायर सेकेन्ड्री स्कूल लालपुर मनेंद्रगढ, अनिल चौरसिया को 42006 संत जोसेफ स्कूल झगराखाण्ड, अजय कुमार पैकरा को 42007 सरस्वती विकास विद्यालय मनेंद्रगढ, एस.एस. पैकरा को 42008 विजय इंग्लिश मिडियम स्कूल मनेंद्रगढ, सी.पी.साहू को 42009 दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल मनेंद्रगढ़, एन.पी. सिंह को 42010 सेंट पैट्रीक एकाडमी स्कूल चौघड़ा मनेंद्रगढ़, लाल सिंह आर्मो को 42011 ब्लोसम ऐकेडमी स्कूल मनेंद्रगढ़, शशीकला पैकरा को 42012 यूनिवर्सल पब्लिक स्कूल मनेंद्रगढ़, दयानंद तिग्गा को 42013 खालसा हायर सेकेन्ड्री इंग्लिस मिडियम स्कूल मनेंद्रगढ़, संजय श्रीवास्तव 42014 सरस्वती शिशु मंदिर मनेंद्रगढ़, विनिता चौरासे को 42015 सरस्वती शिशु मंदिर झगराखण्ड रोड़ मनेंद्रगढ़, जतीन देवांगन को 42016 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नागपुर, बलविन्द्र सिंह को 42017 ज्योति मिशन उच्चतर माध्यमिक विद्यायल सरभोका, विनोद भगत को 42018 भियानी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरभोका, बसंत राम को 42019 सरस्वती शिशु मंदिर सरभोका, विनोद जायसवाल को 42020 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलबहरा, पवन कुमार साहू को 42021 शासकीय हाई स्कूल पिपरिया, सुरेन्द्र प्रसाद जायसवाल को 42022 ऐकेडमिक हाईट पब्लिक स्कूल तेन्दुडांड के लिए नियुक्त किया गया है।

डॉक्टरों का वेतन बढ़ा, सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर को 65 की जगह 75,000 रुपए और प्रोफेसरों को 2.25 लाख मिलेंगे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सरकारी डॉक्टर, सीनियर रेजिडेंट और प्रोफेसर के वेतन में बढ़ोतरी की गई है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि, अब प्राध्यापक को अनुसूचित क्षेत्रों में 2 लाख 25 हजार रुपए और गैर अनुसूचित क्षेत्रों में 190000 रुपए वेतन मिलेगा। इस तरह अनुसूचित क्षेत्रों में वेतन में 46 फीसदी और गैर अनुसूचित क्षेत्रों में 23 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि, इस निर्णय के तहत शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के सीनियर रेसीडेंट, प्रदर्शक (पीजी), सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक और प्राध्यापक के वेतन में ऐतिहासिक वृद्धि का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश 1 सितंबर 2024 से पूरे राज्य के शासकीय मेडिकल कॉलेज के लिए प्रभावी होगा।

किसका कितना बढ़ा वेतन: गैर अनुसूचित क्षेत्रों के मेडिकल कॉलेज में पदस्थ प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 55 हजार से बढ़ाकर 1 लाख 90 हजार रुपए कर दिया गया है।

सह प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 35 हजार से 1 लाख 55 हजार।

सहायक प्राध्यापक का वेतन 90 हजार से 1 लाख।

सीनियर रेसीडेंट व प्रदर्शक (पीजी) का वेतन 65 हजार रुपए से बढ़ाकर 75 हजार रुपए।

अनुसूचित क्षेत्रों के मेडिकल कॉलेज में पदस्थ प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 90 हजार रुपए से बढ़ाकर 2 लाख 25 हजार रुपए।

सह प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 55 हजार से 1 लाख 85 हजार।

सहायक प्राध्यापक का वेतन 90 हजार से 1 लाख 25 हजार।

सीनियर रेसीडेंट और प्रदर्शक (पीजी) का वेतन 65 हजार रुपए से बढ़ाकर 95 हजार रुपए कर दिया गया है।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के संविदा चिकित्सकों के लिए जारी पुनरीक्षित संविदा वेतनमान के अनुसार, अनुसूचित क्षेत्र में लगभग 46 फीसदी और गैर अनुसूचित क्षेत्र में लगभग 23 फीसदी की वेतन वृद्धि की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि, प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर कोई समझौता नहीं होगा। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में पढ़ने वाले भावी डॉक्टरों का यह अधिकार है कि उन्हें अच्छी गुणवत्ता वाला शिक्षक और शिक्षा मिले।

21वीं पशु संगणना के लिए प्रगणक, सुपरवाइजर, और पर्यवेक्षकों का हुआ प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पशुधन विभाग द्वारा 21वीं पशु संगणना के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में प्रगणक, सुपरवाइजर, और पर्यवेक्षकों को 21वीं लाइवस्टॉक सेन्सस के अंतर्गत उनकी जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में डॉ. वी.आर.एस. बघेल (नोडल पशुधन अधिकारी), डॉ. रूपेश सिंह (मास्टर ट्रेनर), डॉ. विनीत भारद्वाज (जिला नोडल अधिकारी), और डॉ. के.पी. राय (सहायक नोडल अधिकारी पशु संगणना) उपस्थित थे। मास्टर ट्रेनर डॉ. रूपेश सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारियों को ग्राम पंचायत में सौंपे गए कार्य को सही तरीके से करना है।

उन्होंने विशेष रूप से सभी पशुपालकों के नाम, मोहल्ले के पते के साथ उनकी कैटेगरी की जानकारी को सही तरीके से दर्ज करने का निर्देश दिए। प्रशिक्षण के दौरान नोडल अधिकारी पशुधन विकास विभाग वी.आर.एस. बघेल और मास्टर ट्रेनर डॉ. रूपेश सिंह द्वारा बताया गया कि एमसीबी पशुधन विकास विभाग द्वारा पशु संगणना कार्य हेतु पर्यवेक्षक और गणकों की नियुक्ति की गई है। यह कार्य हर पांच वर्षों में किया जाता है, और इस बार इसे ऑनलाइन मोड में पूरा किया जाना है। 21वीं पशु संगणना के लिए 433 ग्राम पंचायतों के लिए 42 प्रगणक, 7 सुपरवाइजर, 1 नोडल अधिकारी, 3 खंड अधिकारी, और 1 जिला स्तरीय नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई है। इन सभी की जिला स्तर पर आईडी तैयार कर ली गई है।

जनपद के विभाग प्रमुखों व उनके सहयोगियों को दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार भरतपुर विकासखंड के आहरण संवितरण अधिकारियों को जनपद पंचायत भरतपुर के सभाकक्ष में पेंशन प्रकरण निराकरण के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया।

वित्त विभाग द्वारा समस्त विभाग अध्यक्ष राजस्व मंडल, कमिश्नरों, विभागाध्यक्षों और कलेक्टरों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। शासकीय विभाग या स्थापना, स्थानीय प्राधिकारी, शासकीय अभिकरण, शासन के किसी भी डीडीओ द्वारा (किसी कराधेय वस्तु या सेवा हेतु) रुपये 2.5 लाख से अधिक भुगतान होने पर, 2 प्रतिशत (1 प्रतिशत सीजीएसटी 1 प्रतिशत एस जीएसटी अथवा 2 प्रतिशत आईजीएसटी) की दर से स्रोत पर कटौती जीएसटी - टीडीएस किया जाना है। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सभी शासकीय विभागों तथा स्थानीय प्राधिकारियों को जीएसटी, के अंतर्गत स्रोत पर कटौतीकर्ता (टीडीएस डिटेक्टर) के रूप में रजिस्ट्रेशन लिया जाना है। विभागों द्वारा खरीदी जाने वाली सामग्री, मशीन- उपकरण, फर्नीचर, स्टेशनरी अथवा अन्य कोई भी वस्तुएं, निर्माण कार्यों एवं ठेकों (कॉन्ट्रेक्ट) तथा लिये जाने वाली किसी भी प्रकार की सेवाओं की राशि पर जीएसटी - टीडीएस करने के पश्चात्वर्ती माह की 10 तारीख तक रिटर्न जीएसटीआर-07 में प्रस्तुत किया जाना है। वित्त निर्देश 12/2024 के तहत समस्त कोषालयों, निर्माण विभागों, वन विभागों के भुगतान प्राधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा वस्तु एवं सेवा प्रदाता के भुगतान सम्बन्धी प्रस्तुत देयकों में प्रदायकर्ताओं की जीएसटीआईएन को चिन्हांकित करने की व्यवस्था की जाए तथा देयकों के भुगतान के पूर्व यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रदायकर्ता द्वारा दिया गया जीएसटीआईएन वर्तमान सक्रिय/वैध हो।

किसान और छात्र-छात्राओं का अनिश्चितकालीन हड़ताल

धमतरी स्कूल में जड़ा ताला, टीचर को हटाने की मांग, किसान भी अपनी मांगों पर अड़े

मीडिया ऑडीटर, धमतरी एजेंसी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में किसान और स्कूली छात्र-छात्राएं 9 सूत्रीय मांगों को लेकर तुमड़ीबाहर गांव के लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों ने तुमडीबाहर हाई स्कूल में ताला जड़ दिया है। छात्र शिक्षक की मांग कर रहे हैं। वहीं किसान सोंढूर डैम के लिए अधिग्रहित भूमि का मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

अभिभावकों का कहना है कि तुमड़ीबाहर स्कूल के विज्ञान शिक्षक की लापरवाही से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इन्हीं के साथ अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रशासन ने नहीं दिया ध्यान: मामले में तुमड़ीबाहर गांव के लोगों ने कहा कि जब तक 9 सूत्रीय मांगें पूरी नहीं की जाएगी, तब तक धरने पर हम बैठे रहेंगे। प्रशासन और जिम्मेदारों को इस मामले में कई बार आवेदन कर चुके हैं, लेकिन किसी ने नहीं ध्यान नहीं दिया। मजबूर होकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं।

शिक्षक स्कूल में पढ़ाने नहीं जाता: मामले में सिहावा विधायक अम्बिका मरकाम ने कहा कि तुमड़ीबाहर में एक शिक्षक है, जिसको हटाने के लिए कई बार मांग कर रहे थे। शिक्षक स्कूल में पढ़ाने नहीं जाता। मामले में डीईओ से कई बार बात हुई, लेकिन फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसान और स्कूली बच्चे धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

सरकार को भेजा जाएगा प्रस्ताव: धमतरी कलेक्टर नम्रता गांधी ने बताया किसान, अभिभावक और छात्रों की मांग स्थानीय स्तर पर होगा, उसको जल्द ही पूरा कर दिया जाएगा। अगर शासन स्तर की मांगें होंगी, तो उसका प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जाएगा।

छात्र और अभिभावकों की मांग: स्कूल तुमडीबहार में पदस्थ विज्ञान के शिक्षक सतीश प्रकाश सिंह का लगातार लंबे समय से अनुपस्थित होने के कारण स्थानांतरण कर विज्ञान के नए शिक्षक को पदस्थ किया जाए।

हाई स्कूल तुमडीबहार को हायर सेकेंडरी स्कूल बनाने की मांग।

किसान संघर्ष समिति जोन बेलरबाहरा धमतरी की मांग: आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सांकरा से उपमंडी बेलरबाहरा रिसगांव को अलग करके नई आदिम जाति सेवा सहकारी समिति अरसीकन्हार; बेलरबाहरा (द) खोला जाए। अरसीकन्हार से गरहाडीही जक्शन तक 16 किमी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पक्की सडक निर्माण के लिए किया जाए। थाना मेचका से लेकर सोंढूर डेम तक सडक मरम्मत कार्य किया जाए। सोडुर डेम जीरो से ग्राम बेलरबाहरा तुमडीबहार ठेनही बासीन अर्जुनी गाताभर्ती दौडपडरीपानी छोटेगोबरा तक नहरनाली का विस्तार किया जाए। सोंढूर जलाशय और मुचकुंद ऋषि पर्वत को पर्यटन स्थल घोषित किया जाए। सोदुर जलाशय और नहरनाली के लिए ग्राम अरसीकन्हार, मेचका के किसानो का अधिग्रहित जमीन का मुआवजा दिया जाए। उपस्वास्था केन्द्र बेलरबाहरा से सोंढूर डैम जीरो तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पक्की सडक निर्माण कार्य किया जाए।

चुनाव से 6 दिन पहले 3 आतंकी ठिकाने मिले

श्रीनगर (एजेंसी)। सेना ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के 6 दिन पहले कुपवाड़ा, कुलगाम और पुलवामा जिले में गुरुवार,12 सितंबर को आतंकियों के 3 ठिकानों को खोज निकाला। कुपवाड़ा से भारी मात्रा में गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किया। वहीं, कुलगाम, पुलवामा में सिर्फ ठिकाने का पता चला। कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में आतंकियों ने यह ठिकाना एक बड़े पेड़ की जड़ में गड्ढा खोदकर बनाया था। जड़ में 5 से 6 फीट जगह मिली। यहां से एके-47 के 100 से ज्यादा कारतूस, 20 हैंड ग्रेनेड और 10 छोटे रॉकेट मिले। इलेक्शन ऑब्जर्वेजर से मिली थी जानकारी इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर, सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया। सेना को यह खुफिया जानकारी जम्मू-कश्मीर में तैनात एक इलेक्शन ऑब्जर्वेजर से मिली थी। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर 3 फेज में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। रिजल्ट 8 अक्टूबर को आएगा।

कश्मीर चुनाव से पहले श्रीनगर पहुंचे आर्मी चीफ

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर चुनाव से 6 दिन पहले गुरुवार को आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी श्रीनगर पहुंचे। उन्होंने सुरक्षा बलों और कमांडर्स से हालात की जानकारी ली। आर्मी चीफ ने सुरक्षा का जायजा लिया। आर्मी चीफ की विजिट उस दौरान हुई, जब गुरुवार को ही कुपवाड़ा, कुलगाम और पुलवामा जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकियों के 3 ठिकानों को खोज निकाला। कुपवाड़ा आतंकी ठिकाने से एके-47 के 100 से ज्यादा कारतूस, 20 हैंड ग्रेनेड और 10 छोटे रॉकेट मिले। जम्मू-कश्मीर में 90 सीटों पर 3 फेज में चुनाव होंगे। पहले फेज की वोटिंग 18 सितंबर को होनी है। नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

महासचिव सीताराम येचुरी का निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी का 72 साल की उम्र में निधन हो गया। निमोनिया की शिकायत होने के बाद उन्हें 19 अगस्त को एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया था। 25 दिन से उनका इलाज चल रहा था। परिवार ने अस्पताल को सीपीआई (एम) नेता की बॉडी डोनेट की है। वे तीन बार पार्टी के महासचिव रहे थे। वहीं, सीपीआई (एम) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि 'कॉमरेड सीताराम येचुरी को सांस की नली में गंभीर संक्रमण हुआ था। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही थी।' एम्स में रहते बुद्धदेव भट्टाचार्य को श्रद्धांजलि दी थी येचुरी ने एम्स में भर्ती रहते हुए 22 अगस्त को पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। उन्होंने 6 मिनट 15 सेकेंड के वीडियो संदेश में कहा था, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुझे एम्स से ही बुद्धो दा के प्रति भावनाएं प्रकट करना और लाल सलाम कहना पड़ रहा है। येचुरी ने 23 अगस्त को सोशल मीडिया एक्स पर जम्मू-कश्मीर में सीपीएम, कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच चुनावी गठबंधन को लेकर पोस्ट किया था। 29 अगस्त को उन्होंने ङ्क पर अब्दुल गफूर नूरानी के निधन पर शोक संदेश पोस्ट किया था।

प्रधानमंत्री ने सीजेआई के घर गणेश पूजा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार शाम चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ के घर गणेश पूजा में शामिल हुए। मोदी ने X पर इसकी तस्वीरें शेयर कीं। सीजेआई और उनकी पत्नी कल्पना दास के साथ मोदी की मुलाकात का वीडियो भी सामने आया। वीडियो में सीजेआई अपने घर में मोदी का स्वागत करते दिखे। मोदी ने सीजेआई और उनके परिवार के साथ भगवान गणेश की आरती की। प्रधानमंत्री मराठी पोशाक पहने हुए थे। उन्होंने मराठी टोपी भी पहन रखी थी।

संजय राउत बोले- क्या सीजेआई हमें न्याय दे पाएंगे, मन में शंका पैदा हो गई पीएम के सीजेआई के घर जाने के बाद राजनीति भी तेज हो गई है। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि सीजेआई चंद्रचूड़ महाराष्ट्र मामले (उद्धव और शिंदे गुट के बीच शिवसेना पार्टी का नाम-सिंबल विवाद) की सुनवाई कर रहे हैं। मोदी के साथ उनके दोस्ताना रिश्ते देखकर हमें शंका है कि क्या हमें न्याय मिलेगा। अगर संविधान का संरक्षक राजनेताओं से मिलता है, तो यह लोगों के मन में संदेह पैदा कर सकता है। महाराष्ट्र के हमारे मामला की सुनवाई सीजेआई चंद्रचूड़ के सामने चल रही है। इसलिए हमें शंका है कि क्या हमें न्याय मिलेगा। पीएम मोदी, केंद्र सरकार इस केस में दूसरी पार्टी हैं। चीफ जस्टिस को इस मामले से खुद को दूर कर लेना चाहिए। इस मामले में दूसरी पार्टी के साथ उनके संबंध खुलेआम नजर आ रहे हैं। तीन साल से तारीख पर तारीख मिल रही है। महाराष्ट्र में गैर कानूनी सरकार चल रही है। सीजेआई और शिवसेना जैसी पार्टी को जिस तरह तोड़ा गया, वह गलत है। पीएम मोदी खुद गैर कानूनी सरकार को बचाने में रूचि ले रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में शिंदे गुट को असली शिवसेना बताने का मामला पेंडिंग महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने पार्टी के अन्य 39 विधायकों के साथ जून 2022 में उद्धव से बगावत की थी। उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर राज्य में सरकार बनाई और खुद मुख्यमंत्री बन गए। शिंदे ने शिवसेना पर भी अपना दावा कर दिया। उद्धव गुट का आरोप है कि शिंदे ने असंवैधानिक रूप से सत्ता हथिया ली। दोनों गुटों ने एक-दूसरे के सभी 54 विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग को लेकर 34 याचिकाएं लगाई थी।विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने 10 जनवरी को शिंदे गुट को असली शिवसेना बताया था। 16 फरवरी 2023 को चुनाव आयोग ने शिंदे गुट को असली शिवसेना मान लिया। शिंदे गुट को शिवसेना का नाम और चिह्न (तीर-कमान) को इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी। उद्धव गुट ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट में मामला अभी पेंडिंग है। विपक्षी नेताओं की आलोचना पर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा, %विपक्ष क्या चाहता है। प्रधानमंत्री और सीजेआई का एकदूसरे के प्रति कैसा व्यवहार होना चाहिए। क्या उनमें एकदूसरे के प्रति सद्भाव नहीं होना चाहिए। काम के समय अलग व्यवहार और काम खत्म करने के बाद अलग व्यवहार, यही लोकतंत्र की खूबसूरती है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस, ममता बोलीं- मैं इस्तीफा देने को तैयार

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मैं उन लोगों से माफी मांगना चाहती हूं जिन्हें लगा था कि आज डॉक्टरों और सरकार के बीच बातचीत हो जाएगी और इस आंदोलन का हल निकलेगा। अगर लोग चाहते हैं तो मैं इस्तीफा देने को तैयार हूं। मैं भी आरजी कर मेडिकल कॉलेज के रेप-मर्डर केस में न्याय चाहती हूं। उन्होंने कहा- आज मैंने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों का दो घंटे इंतजार किया, लेकिन वे बातचीत के लिए तैयार ही नहीं हुए। जूनियर डॉक्टर्स के काम रोक देने के चलते अब तक 27 लोगों की जान गई है, जबकि 7 लाख से ज्यादा मरीजों की हालत खराब है। इसके बावजूद मैं उनके खिलाफ

कोई एक्शन नहीं लूंगी, बड़े होने के नाते मैंने उन्हें माफ किया। दरअसल, बंगाल में धरना दे रहे जूनियर डॉक्टर्स को ममता सरकार ने शाम 5 बजे मुलाकात के लिए बुलाया था। डॉक्टर्स नबन्ना पहुंचे, लेकिन उन्होंने सरकार से बातचीत नहीं की। डॉक्टर्स मीटिंग का लाइव टेलीकास्ट कराने की शर्त पर अड़े रहे, जबकि सरकार इसके लिए नहीं मानी। पिछले 3 दिनों में सरकार की ओर से डॉक्टरों के साथ बातचीत की यह तीसरी पहल थी। डॉक्टर्स ने पिछले दो प्रस्तावों को खारिज कर दिया था। उनकी 5 मांगें हैं। उन्होंने इस पर बातचीत के लिए 4 शर्तें रखी हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेप-मर्डर केस को लेकर जूनियर डॉक्टर्स 34 दिन से प्रदर्शन कर रहे हैं। ममता बोलीं- डॉक्टर मान जाते तो हम बैठक की वीडियो रिकॉर्डिंग शेयर कर देते ममता ने यह भी कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेप-मर्डर का मामला कोर्ट में है, ऐसे में हम इस मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग की इजाजत नहीं दे सकते थे।

हमने इस बैठक की वीडियो रिकॉर्डिंग करने की तैयारी की थी, अगर डॉक्टर्स चाहते तो हम सुप्रीम कोर्ट की इजाजत लेकर उनसे यह रिकॉर्डिंग शेयर कर देते।

हरियाणा विधानसभा 52 दिन पहले भंग

चंडीगढ (एजेंसी)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने प्रदेश विधानसभा भंग कर दी है। राज्य की भाजपा सरकार की सिफारिश पर गवर्नर ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया। विधानसभा भंग करने के नोटिफिकेशन में गवर्नर ने लिखा- 'भारत के संविधान के अनुच्छेद 174 के खंड (2) के उप-खंड (बी) द्वारा मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं बंडारू दत्तात्रेय, राज्यपाल, हरियाणा तत्काल प्रभाव से हरियाणा विधानसभा भंग करता हूं।' सीएम नायब सिंह सैनी की अगुआई वाली कैबिनेट ने बुधवार को ही विधानसभा भंग करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। गवर्नर के मुताबिक, अगली सरकार का गठन होने तक नायब सैनी कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। दरअसल, 6 महीने की अवधि में विधानसभा सेशन न बुला पाने के संवैधानिक संकट से बचने के लिए सैनी सरकार ने यह कदम उठाया। हरियाणा की 14वीं विधानसभा का कार्यकाल 3 नवंबर तक था। यानी अभी कार्यकाल पूरा होने में 52 दिन बचे थे। संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार, विधानसभा के 2 सेशन में छह महीने से ज्यादा का गैप नहीं हो सकता। प्रदेश विधानसभा के पिछले सेशन को 12 सितंबर को 6 महीने पूरे हो गए। चूंकि राज्य में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं इसलिए सेशन बुलाना संभव नहीं था। देश में इस तरह के संवैधानिक संकट के बाद विधानसभा भंग करने का यह पहला मामला है। 1947 में देश आजाद होने के बाद कभी किसी राज्य में ऐसी नौबत नहीं आई। यहां तक कि कोरोनाकाल में भी हरियाणा में ऐसे ही संकट को टालने के लिए एक दिन का सेशन बुलाया गया था। इससे पहले भी हरियाणा विधानसभा 3 बार समय से पहले भंग की गई लेकिन उन तीनों ही मामलों में समय से पहले चुनाव करवाने के लिए ऐसा किया गया था।

दतिया में 400 साल पुरानी दीवार गिरी, 7 की मौत

दतिया (एजेंसी)। दतिया में गुरुवार तड़के करीब साढ़े 3 बजे दीवार ढह गई। हादसे में एक ही परिवार के 5 समेत कुल 7 लोगों की मौत हो गई। सभी का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। दतिया में राजगढ़ किले के नीचे के हिस्से वाली 4 सौ साल पुरानी दीवार ढहने से 7 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के 5 सदस्य शामिल हैं। बाकी दो लोग परिवार के मुखिया की बहन और बहनोई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सुबह करीब साढ़े 3 बजे तेज आवाज आई। लोग बाहर निकले तो देखा कि किले की दीवार गिर गई है। मलबे में दबे दो लोगों को तत्काल बाहर निकालकर हॉस्पिटल भेजा गया। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। जिस पर करीब साढ़े 5 बजे कलेक्टर संदीप मकीन, एसपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा, कोतवाली टीआई धीरेंद्र मिश्रा और एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंचे। हादसे के करीब 9 घंटे और करीब 7 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन में मलबे से 7 शव निकाले गए। कलेक्टर संदीप मकीन ने घटना पर दुख जताते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। लोगों ने रेस्क्यू की गति धीमी होने का आरोप लगाकर सुबह करीब 8 बजे हंगामा कर दिया। उनका कहना था कि मलबा हटाने में लापरवाही बरती जा रही है।

मणिपुर में उपद्रवियों ने स्वास्थ्य केंद्र में आग लगाई

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के जिरीबाम जिला स्थित बोरोबेक्रा में उपद्रवियों ने बुधवार रात करीब 12.50 बजे एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आग लगा दी। घटना पुलिस चौकी से महज 150 मीटर दूर हुई। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना के पीछे कुकी समुदाय के लोगों के शामिल होने की आशंका है। दूसरी तरफ, राजधानी इंफाल में कल पूरे दिन सन्नाटा पसरा रहा। इंफाल ईस्ट और वेस्ट में कर्फ्यू जारी है। मैतेई बहुल 5 जिलों में इंटरनेट बंद है। राज्यपाल एल. आचार्य असम चले गए। उनके पास मणिपुर गवर्नर का अतिरिक्त प्रभार है। इंफाल में 10 सितंबर को सुरक्षाबलों और स्टूडेंट्स में हिंसक झड़प हुई थी। इसमें करीब 100 स्टूडेंट्स घायल हुए थे। इस प्रदर्शन

में इंफाल घाटी के 100 से ज्यादा स्कूल-कॉलेजों के बच्चे शामिल थे। सीपीआरएफ डीआईजी का कहना है कि हालात तनावपूर्ण, लेकिन नियंत्रण में हैं। इमा मार्केट में 300 से ज्यादा छात्र प्रदर्शन कर रहे कर्फ्यू के बावजूद इंफाल के इमा मार्केट में 300 से ज्यादा छात्र प्रदर्शन पर डटे हुए हैं। भास्कर ने प्रदर्शन को लीड करने वालों में से एक छात्र नेता दीजेन तालेख मायुम से बात की। वे धनामांजुरी यूनिवर्सिटी में छात्र संघ महासचिव हैं।

कांग्रेस कैंडिडेट का दावा-राव इंद्रजीत ने मेरी मदद की

नारनौल (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में नांगल चौधरी सीट से कांग्रेस कैंडिडेट मंजू चौधरी ने सियासी विवाद खड़ा कर दिया। मंजू चौधरी ने दावा किया कि भाजपा के सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत ने 2019 के चुनाव में नांगल चौधरी सीट पर पार्टी कैंडिडेट अभय सिंह यादव को हराने की कोशिश की थी। बातचीत में मंजू चौधरी ने कहा- पिछले चुनाव में राव इंद्रजीत ने भाजपा उम्मीदवार अभय यादव की जगह मेरी मदद की थी। इस बार भी नांगल चौधरी सीट से भाजपा कैंडिडेट अभय सिंह यादव को हराने में राव इंद्रजीत मेरी मदद करेंगे। राव

इंद्रजीत सिंह और अभय सिंह यादव एक-दूसरे के धुर विरोधी हैं। अहीरवाल में राव के दबदबे को अभय यादव चुनौती देते रहे हैं। नायब सिंह सैनी की सरकार में सिंचाई मंत्री रहे अभय यादव ने पिछले दिनों एक बयान में पत्थर मारने और दीवार ढहने की बात कही थी।

महाराष्ट्र-मंत्री की बेटी शरद पवार की पार्टी में शामिल, पिता के खिलाफ लड़ सकती हैं विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता धर्मराव बाबा आत्राम की बेटी भाग्यश्री आत्राम उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा रोकने की बार-बार कोशिशों के बावजूद बृहस्पतिवार को राकांपा-शरदचंद्र पवार में शामिल हो गईं। राकांपा-एसपी की राज्य इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल और पार्टी नेता अनिल देशमुख गढ़चिरौली जिले के अहेरी में आयोजित उस समारोह में मौजूद थे, जिसमें भागयश्री विपक्षी दल में शामिल हुईं।

इस घटनाक्रम के बाद ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि नवंबर में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में भाग्यश्री और उनके पिता के

बीच चुनावी टक्कर हो सकती है। धर्मराव अहेरी से ही विधायक हैं। भाग्यश्री ने कहा कि जब उनके पिता को नक्सलियों ने अगवा कर लिया था तब शरद पवार ने ही उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की थी। उन्होंने कहा, यह (शरद पवार के प्रति) आभार व्यक्त करने का मेरा तरीका है।

उन्होंने दुख जताया कि महाराष्ट्र में मूल राकांपा से अलग हुए अजित पवार गुट के शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल होने के बाद उनके (भाग्यश्री के) पिता ने शरद पवार का साथ छोड़ दिया था। नक्सलियों ने 1991 में धर्मराव आत्राम का अपहरण करके उन्हें बंधक बना लिया था। नक्सली जेल से अपने समर्थकों की रिहाई की मांग कर रहे थे और उस समय शरद पवार राज्य के मुख्यमंत्री थे।

पाटिल ने कहा कि भाग्यश्री को अपने पिता का फैसला मंजूर नहीं था। उन्होंने कहा, हमने पार्टी में उनकी (भाग्यश्री) वापसी को टाल दिया, क्योंकि हम देखना चाहते थे कि क्या वह अपने फैसले पर अडिग हैं। पाटिल ने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन 'महाविकास आघाडी (एमवीए) राज्य में अगली सरकार बनाएगा और सभी सीट पर जीत हासिल करने के लिए लड़ेगा। गठबंधन में राकांपा-एसपी, कांग्रेस और शिवसेना-यूबीटी शामिल हैं।

हरियाणा में कांग्रेस-भाजपा में बगावत

चंडीगढ (एजेंसी)। हरियाणा में कांग्रेस-भाजपा में टिकट बंटवारे के बाद नामांकन के आखिरी दिन भी बगावत नहीं थमी। देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन भरा है। भाजपा ने उन्हें हिसार से टिकट नहीं दी। वह कुरुक्षेत्र से भाजपा सांसद नवीन जिंदल की मां हैं। कल उनकी कांग्रेस से भी टिकट की चर्चा थी लेकिन बेटे के भाजपा सांसद होने की वजह से बातचीत सिरे नहीं चढ़ी। नामांकन भरने के बाद सावित्री जिंदल ने कहा कि ये उनका आखिरी चुनाव है। वहीं पानीपत शहरी सीट पर पूर्व विधायक रोहिता रेवड़ी ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया है। वह कांग्रेस से टिकट मांग रही थी, लेकिन पार्टी ने यहां वरिंदर कुमार शाह को उम्मीदवार बनाया। रेवड़ी हाल ही में भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुई थीं। उधर, महेंद्रगढ़ सीट से टिकट कटने पर भाजपा

के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रामबिलास शर्मा समर्थकों के सामने रो पड़े। यहां शर्मा ने भाजपा जिंदाबाद का नारा लगाया तो समर्थक भड़क उठे। सोनीपत में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। गुरुवार को उन्होंने पत्नी कविता जैन के साथ नामांकन दाखिल किया। वह इस सीट से पत्नी कविता जैन का टिकट कटने पर बागी हुए हैं। राजीव जैन ने कहा, भाजपा ने सोनीपत से एक कांग्रेसी नेचर के व्यक्ति को टिकट दी है। नेता-कार्यकर्ता इसके विरोध में हैं। भाजपा आलाकमान को भी इससे अवगत कराया गया था। उम्मीद थी कार्यकर्ताओं के हक में फैसला होगा, पार्टी ने इसके लिए समय भी मांगा था, लेकिन फैसला उनके पक्ष में नहीं आया। अभी पार्टी से इस्तीफा नहीं दिया है। कैथल जिले के अंतर्गत आने वाली पुंडरी विधानसभा सीट से पूर्व विधायक दिनेश कौशिक ने टिकट कटने के बाद गुरुवार को भाजपा को अलविदा कह दिया।

सीओ मेरठ में हेलिकॉप्टर के पुर्जे लूटकर ले गए

मेरठ (एजेंसी)। यूपी के मेरठ में पहली बार हेलिकॉप्टर लूट का मामला सामने आया है। यहां पायलट रवींद्र सिंह ने मेरठ स्स्क को शिकायत दी। आरोप लगाया कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर हवाई पट्टी पर 15-20 लोग जबरन घुस आए। उन्होंने मारपीट की। इसके बाद हेलिकॉप्टर के पुर्जे खोलने लगे। रवींद्र सिंह ने बताया- दबंगों ने मुझे धमकाते हुए कहा कि शांत खड़े रहो, वरना तेरी दोनों टांगें काट देंगे। इसके बाद हेलिकॉप्टर के पार्ट्स अलग किए, ट्रक में भरे और लादकर ले गए। 16 टायर वाले ट्रक पर राजस्थान का नंबर था। हालांकि, मामले पर एसएआर विपिन ताडा ने कहा- हेलिकॉप्टर लूट की शिकायत मिली है। घटना 4 महीने पुरानी है। प्रथम दृष्ट्या मामला एविएशन कंपनी के 2 पार्टनर के बीच का लग रहा है। किसी विवाद को लेकर दोनों का झगड़ा है। जांच सीओ (ब्रह्मपुरी) को दी गई है। मामला मेरठ के परतापुर थाने का है। यहीं पर डॉ. भीमराव अंबेडकर हवाई पट्टी है। यहां ङ्क एविएशन सर्विस प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े पायलट रवींद्र सिंह ने ये आरोप लगाए हैं। एयरफोर्स से रिटायर होने के बाद कैप्टन रवींद्र सिंह इसी कंपनी के लिए काम करते हैं। उनका कहना है कि वह कंपनी के शेयर होल्डर और डायरेक्टर भी हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय टीम के लिए बहुत अच्छा विकल्प हो सकते हैं मुशीर : दाहिया

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2024 के पहले मैच में शानदार शतक लगाने वाले मुशीर खान ने बेंगलुरु में भारत-ए बनाम भारत-बी दलीप ट्रॉफी मैच में दबाव में अपने स्वभाव से मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का ध्यान आकर्षित किया है। वहीं पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया ने कहा कि मुशीर को जो चीज अलग बनाती है, वह है उनकी मानसिकता, जो बहुत मजबूत है। मैं भविष्यवाणी नहीं कर सकता, लेकिन अगर वह लगातार रन बनाते रहे, तो वह भारतीय टीम के लिए एक बहुत अच्छा विकल्प हो सकते हैं। दहिया ने कहा कि मुशीर बल्लेबाजी की सबसे खास बात उनकी निरंतरता है। उन्होंने पिछले सीजन में जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरुआत की। उन्होंने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल और फाइनल में रन बनाए और फिर 2024 में घरेलू क्रिकेट के पहले दिन शतक ठोका। दलीप ट्रॉफी में अपने पदार्पण मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए दाएं हाथ के बल्लेबाज मशीर ने दूसरे छोर पर विकेट गिरने के बावजूद अपना धैर्य नहीं खोया और 181 रन बनाए जो उनका तीसरा प्रथम श्रेणी शतक था। उनकी मैराथन पारी ने भारत-बी को 94/7 के मुश्किल स्कोर से उबारा और 321 रन बनाने में सक्षम बनाया। जो निर्णायक कारक साबित हुआ और उन्होंने मैच 76 रनों से जीत लिया। रिपोर्ट के मुताबिक 19 साल के मुशीर खान ए शैडो टूर के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें तीन चार दिवसीय टेस्ट मैच होंगे। फिटनेस संबंधी किसी भी चिंता को छोड़कर मुशीर और राजस्थान के बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार चयन के लिए मजबूत दावेदार हैं।

हीरो डेस्टीनी 125 स्कूटर को नए अवतार में पेश

नई दिल्ली। वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकार्प ने अपने हीरो डेस्टीनी 125 स्कूटर को नए अवतार में पेश कर दिया है। 2024 हीरो डेस्टीनी भारतीय बाजार में होंडा एक्टिवा 125, टीवीएस जुपिटर 125 और सुजुकी एक्सेस 125 जैसे मॉडलों को टक्कर देगी। इस स्कूटर में कई बदलाव किए गए हैं, जिसमें डिजाइन से लेकर फीचर्स तक शामिल हैं। यह स्कूटर कुल तीन वेरिएंट्स वीएक्स (बेस वेरिएंट), झेडएक्स (मिड वेरिएंट) और झेडएक्स + (टॉप वेरिएंट) में लाया गया है। इसमें कुल 5 कलर ऑप्शन एटर्नल व्हाइट, रेगल ब्लैक, मिस्टिक मैजेंटा), कॉस्मिक ब्लू और ग्रूवी रेड दिए गए हैं।हीरो डेस्टीनी 125 में एलईडी डीआरएल, एलईडी प्रोजेक्टर हैडलाइट्स, कॉपर क्रोम इंसर्ट्स, 12 इंच अलॉय व्हील्स, डिजिटल स्पीडोमीटर, टर्न बाय टर्न नेविगेशन, डिस्टेंस टू एंपटी, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, ऑटो केंसिल विंकर्स, इल्यूमिनेटिड स्टार्ट स्विच, सीट बैकरेस्ट, लंबी सीट, आई3एस तकनीक, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट, फ्रंट एप्रन पर दो लीटर क्यूबी और 19 लीटर के बूट स्पेस के साथ फ्रंट एप्रन पर तीन किलोग्राम के वजन के लिए हुक, 190 एमएम फ्रंट डिस्क ब्रेक, साइड स्टैंड इंजन कटऑफ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इस स्कूटर में 124.6 सीसी का सिंगल सिलेंडर एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है।

चीन का निर्यात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 308.65 अरब डॉलर हुआ

हांगकांग। विदेशों में मांग बढ़ने की वजह से चीन के निर्यात में लगातार पांचवें महीने वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि धीमी होती चीनी अर्थव्यवस्था के बीच आयात में गिरावट आई है। चीन के सीमा शुल्क कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अगस्त में निर्यात पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 8.7 प्रतिशत बढ़कर 308.65 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। यह अर्थशास्त्रियों के करीब 6.5 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। जुलाई में निर्यात सात प्रतिशत की दर से बढ़ा था। अगस्त में यह आंकड़ा 18 महीने में सबसे मजबूत है। इसकी बड़ी वजह अगस्त 2023 में कम आधार है, जब निर्यात में 8.8 प्रतिशत की गिरावट आई थी। तुलनात्मक रूप से एक साल पहले की तुलना में आयात में केवल 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह अर्थशास्त्रियों द्वारा लगाए गए करीब दो प्रतिशत के अनुमान से कम है। कैपिटल इकोनॉमिक्स के जिचुन हुआंग ने कहा कि निर्यात मूल्य पिछले 17 महीने में सबसे तेज गति से बढ़े हैं। निर्यात की मात्रा रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। हमें उम्मीद है कि निकट भविष्य में निर्यात मजबूत रहेगा, जिसे चीन की वास्तविक प्रभावी विनिमय दर में गिरावट से समर्थन मिल रहा है। चीन का व्यापार अधिशेष अगस्त में बढ़कर 91.02 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो जुलाई में 84.65 अरब अमेरिकी डॉलर था। निर्यात की मांग बढ़ रही है, लेकिन चीन घरेलू मांग को बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहा है। सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक अगस्त में 0.6 प्रतिशत बढ़ा, जो पूर्वानुमानों से कम है। अधिकारियों ने खराब मौसम के कारण खाद्य कीमतों में वृद्धि को उच्च सीपीआई का कारण बताया। हालांकि मुख्य सीपीआई अगस्त में केवल 0.3 प्रतिशत बढ़ा, जो तीन वर्षों में सबसे कम है।

भारत बना चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा 5जी बाजार

भारत पहली बार चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी हैंडसेट बाजार बन गया है। भारत ने यह पोजीशन अमेरिका को पछाड़कर हासिल की है। जानकारी के अनुसार, 2024 की पहली छमाही में वैश्विक 5जी हैंडसेट शिपमेंट में 20 प्रतिशत (साल-दर-साल) की वृद्धि हुई। एप्पल 5जी हैंडसेट शिपमेंट में 25 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे रहा। एप्पल ने वैश्विक स्तर पर 5जी हैंडसेट शिपमेंट का नेतृत्व किया, जिसकी हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक है, जो आईफोन 15 और आईफोन 14 वेरिएंट की वजह से मजबूत हुआ है। 5जी हैंडसेट शिपमेंट लगातार बढ़ रहा है और बजट सेगमेंट में 5जी हैंडसेट की बढ़ती उपलब्धता के साथ उभरते बाजारों में इस सेगमेंट में तेज वृद्धि देखी गई है। विश्लेषक प्राचीर सिंह ने कहा, भारत पहली छमाही के दौरान अमेरिका को पछाड़कर दूसरा सबसे बड़ा 5जी हैंडसेट बाजार बन गया। बजट सेगमेंट में श्याओमी, विवो, सैमसंग और अन्य ब्रांडों की मजबूत शिपमेंट इसका मुख्य कारण थी। गैलेक्सी ए सीरीज़ और एस24 सीरीज़ के दम पर सैमसंग 21 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी हासिल करके दूसरे स्थान पर रहा है। 2024 की पहली छमाही में 5जी मॉडल फोन के लिए शीर्ष -10 सूची में एप्पल और सेमसंग ने पांच स्थान प्राप्त किए, जिसमें एप्पल शीर्ष चार स्थान पर रहा। कुल वैश्विक नेट ऐड में एशिया-पैसिफिक की हिस्सेदारी 63 प्रतिशत रही और 5जी शिपमेंट हिस्सेदारी 58 प्रतिशत रही। यूरोप और मध्य पूर्व और अफ्रीका (एमईए) क्षेत्रों में भी, 5जी हैंडसेट शिपमेंट में दोहरे अंकों में वृद्धि देखी गई। अनुसंधान निदेशक तरूण पाठक ने कहा कि जैसे-जैसे कम कीमत वाले खंडों में 5जी की पहुंच बढ़ेगी, 5जी नेटवर्क का विस्तार होगा और 5जी हैंडसेट की उपलब्धता बढ़ेगी, यह प्रवृत्ति और बढ़ेगी। अन्य उभरते बाजारों में भी 5जी हैंडसेट में उच्च वृद्धि देखी गई। उभरते बाजारों में उपभोक्ता 5जी हैंडसेट यहां तक कि कम कीमत वाले सेगमेंट में भी को अपने डिवाइस के अपग्रेड के रूप में देख रहे हैं।

क्रिकेट में हाथ आजमाने के बाद, विराट और धोनी के बराबर आए सैमसन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन मैदान से बाहर भी अपने पांव पसार रहे हैं। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज अब केरल के फुटबॉल क्लब मलप्पुरम एफसी के को-ऑनर बन गए हैं। इस तरह वह विराट कोहली और एमएस धोनी की सूची में शामिल होकर उनके बराबर आ गए हैं। क्लब और संजू सैमसन ने सोशल मीडिया के ज़रिए इसकी जानकारी साझा की है।

केरल फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित सुपर लीग केरल का उद्घाटन सत्र सात सितंबर को हुआ था, जिसमें संजू की टीम मलप्पुरम एफसी ने शुरुआती मैच में फोरा कोच्चि को 2-0 से हराया। टूर्नामेंट में कुल छह टीमें भाग ले रही हैं जिनमें मलप्पुरम एफसी, फोर्का कोच्चि, कन्नूर वारियर्स, कालीकट एफसी, तिरुवनंतपुरम कोम्बन्स और त्रिशूर मैजिक शामिल हैं। लीग सात सितंबर से दस नवंबर तक चलेगी और मैच केरल के चार अलग अलग जगहों पर खेले जाएंगे। विराट कोहली और एमएस धोनी के बाद फुटबॉल क्लब में हिस्सेदारी खरीदने वाले संजू सबसे कम उम्र के भारतीय क्रिकेटर हैं। कोहली इंडियन सुपर लीग क्लब एफसी गोवा के को-ऑनर हैं। वहीं धोनी चेन्नईयिन एफसी के सह-मालिक हैं।

सैमसन के साथ बिस्मी ग्रुप के एमडी वी.ए. अजमल बिस्मी, डॉ. अनवर अमीन चेलट और बेबी नीलाम्बरा मलप्पुरम एफसी के सह-मालिक हैं। सैमसन मौजूदा समय में दलीप ट्रॉफी में खेल रहे हैं। बता दें सैमसन को आखिरी बार भारत के श्रीलंका दौरे पर देखा गया था, जहां उन्होंने तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली थी। वहां उनका प्रदर्शन खराब रहा था। वह लगातार दो बार जीरो पर आउट हो गए थे। अब देखना ये होगा कि बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए संजू सैमसन को चुना जाता है या नहीं। फिलहाल संजू फुटबॉल लीग में बिजी हैं।

वनप्लस का नया फोल्डेबल फोन पतला और हल्का होगा

नई दिल्ली। वनप्लस ओपन 2, कंपनी के ओरिजिनल वनप्लस फोल्डेबल के मुकाबले में पतला और हल्का होगा। इस फोन के जल्द ही लॉन्च होने की उम्मीद की जा रही है। लॉन्चिंग की ऑफिशियल जानकारी आने से पहले इसे लेकर कुछ ऑनलाइन रिपोर्ट सामने आ चुकी हैं। वीवो और ऑनर जैसे ब्रांडों ने कॉम्पैक्ट फोल्डेबल फोन के लिए स्टैंडर्ड सेट किए हैं। डिजिटल चैट स्टेशन नाम के टिपस्टर के मुताबिक वनप्लस अगले ओपन 2 के लिए एक काफी छोटा डिज़ाइन बनाने पर काम कर रहा है। इसकी डिवाइस की मोटाई 9.एक्सएमएम है, जो इसे बाजार का सबसे पतला फोल्डेबल फोन बनाएगी। इसके हल्के वजन की वजह से इसे कैरी करना और इस्तेमाल करना आसान होगा। ये खासतौर पर उन यूज़र्स को बहुत पसंद आएगा जो हल्के और पोर्टेबल स्मार्टफोन को पसंद करते हैं। कॉम्पैक्ट फैक्टर के अलावा, वनप्लस ओपन 2 में हाई क्वालिटी फोटोग्राफी फीचर शामिल होने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फोन में एक पावरफुल ट्रिपल-कैमरा सेटअप शामिल किया जाएगा, जिसके सेंटर में 50 मेगापिक्सल का सोनी सेंसर दिया जाएगा। ऐसा माना जाता है कि यह हाई- रेजोलूशन वाला कैमरा शार्प, डिटेल फोटो क्लिक कर सकेगा। इसके कैमरे को लेकर ये भी उम्मीद की जा रही है कि गैजेट अपने पिछले मॉडल की तरह बड़े, सर्कूलर कैमरा, ऐरे डिज़ाइन के साथ आएगा। वनप्लस का आने वाला ये फोल्डेबल फोन मार्केट में मौजूद कई कंपनी के फोन को कड़ी टक्कर दे सकता है। सैमसंग फोल्ड सीरीज़ ने बाजार में पहले ही एंट्री की है। अब हाल ही में चीन में ऑनर ने भी हॉनर मैजिक फोल्डेबल फोन पेश किया है, और दावा किया है कि वह दुनिया का सबसे पतला फोल्डेबल है।

यूएस ओपन से बाहर हुए, अल्काराज डेविस कप के लिए तैयार

मैड्रिड। कार्लोस अल्काराज का कहना है कि वे फिट हैं और सप्ताह के अंत में डेविस कप टेनिस के ग्रुप चरण में स्पेन का नेतृत्व करने को तैयार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्पेन का सामना कठिन ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, चेक गणराज्य और फ्रांस से होगा, इनके मैच वालेंसिया में खेले जाएंगे। प्रेसवार्ता में अल्काराज से यूएस ओपन में दूसरे दौर में निराशाजनक हार के बाद उनकी फिटनेस के बारे में पूछा गया, इससे पहले फ्रेंच ओपन और विंबलडन में उनकी जीत हुई और अगस्त में ओलंपिक रजत पदक मिला। अल्काराज ने स्वीकार किया कि, न्यूयॉर्क में, वह उस स्तर पर खेलने में कामयाब नहीं हुए जो उन्हें पसंद था, लेकिन उन्होंने कहा, उस स्तर पर प्रदर्शन करना बहुत मुश्किल है जो आप हर दिन चाहते हैं, और आपको करना होगा चीजें जैसी भी आएं उन्हें स्वीकार करने के लिए तैयार रहें। अल्काराज ने कहा कि कुछ दिनों के आराम और प्रशिक्षण के कारण बहुत तीव्र गर्मी के बाद उनमें तैयारी की कमी थी, जबकि उन्होंने जोर देकर कहा कि अब वह घर पर डेविस कप खेलने के लिए अच्छा और प्रेरित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मानसिक रूप से मैं सुधार जारी करने के लिए बहुत उत्सुक और प्रेरित हूं, और शारीरिक रूप से मैंने डेविस कप और जो आने वाला है उसका सामना करने के लिए इष्टतम स्तर पर रहने के लिए न्यूयॉर्क में हारने के बाद से अच्छा काम किया है। अल्काराज ने खुलासा किया कि बोटिक वैन डे ज़ैंडस्चुल्प से हार के बाद, वह अन्य रुचियों के साथ समय बिता रहे थे। उन्होंने कहा, मेरे पास अपने दिमाग को शांत करने के लिए कुछ दिन थे। लेकिन हमने सोचा कि सबसे अच्छी बात प्रशिक्षण पर वापस जाना और शारीरिक रूप से फिट होना है।

भारत-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज

अनुभव के आधार पर केएल राहुल प्लेइंग इलेवन में

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज में बल्लेबाज केएल राहुल को टीम में जगह मिल गई है। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में सरफराज खान के शानदार प्रदर्शन ने सभी को प्रभावित किया लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ प्लेइंग इलेवन में उन्हें जगह नहीं मिली। केएल राहुल का अनुभव उन्हें फायदा दिलाएगा। टीम प्रबंधन और चयन समिति का पूरा ध्यान नवंबर-दिसंबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है और राहुल को 50 टेस्ट मैचों का अनुभव है। टीम प्रबंधन के लिए सरफराज की निडरता और टेस्ट कप्तान रहे एक अनुभवी खिलाड़ी के बीच चयन है जो एक दशक से राष्ट्रीय टीम का हिस्सा है। बीसीसीआई सूत्र ने नाम ना बतारे की शर्त पर कहा कि बाहर के लोगों को यह समझ में नहीं आता कि टीम कैसे काम करती है और किस तरह की व्यवस्था होती है। केएल राहुल ने अपने पिछले तीन टेस्ट मैच दक्षिण अफ्रीका में शतक बनाया जो हाल के समय में सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारियों में से हैं और चोट लगने से पहले हैदराबाद में अपने पिछले टेस्ट में 86 रन बनाए। घरेलू क्रिकेट के स्टार खिलाड़ी सरफराज ने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में अपने पहले मैच में दो अर्धशतक और धर्मशाला में अर्धशतक लगाकर शानदार शुरुआत की थी। उन्होंने तेज और धीमे दोनों गेंदबाजों को धुना था।

सूत्र ने कहा कि सरफराज ने सब कुछ सही किया है लेकिन कोई भी खिलाड़ी चोटिल होता है तो उन्हें खिलाया जाएगा। राहुल के पास अनुभव है। टीम प्रबंधन सिर्फ बांग्लादेश को ही नहीं देख रहा है बल्कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज पर भी ध्यान दे रहा है, जहां पिछला अनुभव मायने रखता है।

टाटा मोटर्स ने ओलंपिक पदक विजेता मनु को उपहार में दी अत्याधुनिक टाटा कर्वी इलेक्ट्रिक कार

मुम्बई। टाटा मोटर्स ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर रिकार्ड बनाने वाली महिला निशानेबाज मनु भाकर को टाटा कर्वी इलेक्ट्रिक कार उपहार में दी है। टाटा कर्वी एक नई और आधुनिक इलेक्ट्रिक कार है। इसे टाटा मोटर्स ने पिछले महीने ही लॉन्च किया था। यह कार आधुनिक फीचर्स और आकर्षक डिजाइन वाली है। टाटा ईवी ने इस कार की विशेषता के बारे में अपनी एक पोस्ट में कहा, ओलंपिक में दोहरे पदक जीतने वाली भारत की पहली एथलीट भारत की पहली एसयूवी को घर ले गईं। इस विश्व इवी दिवस पर मनु को कर्वी ईवी वितरित कर हमें खुशी हुई है। यह कार टाटा मोटर्स के पहले ईवी-ओनली स्टोर - टाटा.ईवी स्टोर से मनु को सौंपी गयी। इस अवसर पर उनके माता-पिता, राम किशन भाकर और सुमेधा भाकर, भी उपस्थित थे। मनु इस कार को लेकर पोज देती भी दिखीं। यह एसयूवी ग्रे रंग की है और इसकी खूबसूरती ने सभी का ध्यान खींच है। टाटा मोटर्स के अनुसार यह उपहार मनु भाकर की खेल उपलब्धियों का सम्मान है और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ते कदम को भी दिखाता है।

भारत के साथ सीरीज से ठीक पहले काउंटी क्रिकेट में चमके शाकिब

4 विकेट लेकर सर्रे को जीत दिलायी

लंदन। भारत के साथ होने वाली टेस्ट सीरीज से ठीक पहले बांग्लादेशी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने शानदार गेंदबाजी कर दिखाया है कि आगामी सीरीज में उनकी गेंदों को खेलना मेजबानों के लिए आसान नहीं रहेगा। बांग्लादेश की टीम ने पाकिस्तान में खेली गई टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर दिखाया है कि अब वह पहले से ही बेहतर हो गयी है और विदेशी धरती पर भी जीत सकती है। इससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। 19 सितंबर से दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरु होगी। इससे पहले जहां भारतीय टीम के खिलाड़ी दिलीप ट्रॉफी में खेल रहे हैं। वहीं शाकिब काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। शाकिब काउंटी में सर्रे की ओर से सोमरसेट के खिलाफ मुकाबले में उतरे। उन्होंने इस दौरान अपनी टीम की ओर से पहली पारी में सबसे ज्यादा विकेट लिए। 33.5 ओवर में शाकिब ने 97 रन देकर 4 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा। इस प्रकार सर्रे की जीत में शाकिब की अहम भूमिका रही। इससे पहले पाक में भी शाकिब ने शानदार गेंदबाजी की थी।

शेयर बाजार मे गिरावट जारी

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ खुला। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रने से आई है। । शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 70 अंक करीब 0.08 फीसदी नीचे आकर 81,851 पर खुला। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 20 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी टूटकर 25,020 पर पहुंच गया। आज भारती एयरटेल और एशियन पेंट्स के शेयरों में तेजी आई। निफ्टी ऑटो करीब 1 फीसदी नीचे आया। आर्थिक आंकड़ों के अलावा एशियाई बाजारों से आज सुबह कमजोर संकेत मिलने से भी भारतीय बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। निवेशक अमेरिका के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) डेटा का इंतजार कर रहे हैं, जिससे ब्याज दरों में कटौती की जानकारी हासिल की जा सके। आज सुबह 7:00 बजे, गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स 25,087 पर कामकाज कर रहा था। जापान के निक्केई 225 में 0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स 0.86 फीसदी नीचे रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स भी 0.20 फीसदी गिरा हालांकि, कोसडैक इंडेक्स में 1.61 फिसदी की बढ़त रही। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स मामूली रूप से बढ़ा, जबकि हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स वायदा 17,072 पर दिखे, जो कि एसएसआईइ के पिछले बंद स्तर 17,190 से कम है। वहीं, कल अमेरिकी बाजारों में मिलाजुला कारोबार दर्ज किया गया। निवेशक अमेरिका के महंगाई आंकड़ों और अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव बहस का इंतजार कर रहे हैं। डाउ जोन्स 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 में 0.45 फीसदी की बढ़त रही। इसके अलाव नैस्डैक कंपोजिट में 0.84 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। इससे पहले एशियाई बाजारों में मिश्रित कारोबार से भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही।

मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए बुलाई आपात बैठक

अतिवर्षा और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए अधिकारी-कर्मचारी अवकाश पर नहीं जाए : मुख्यमंत्री

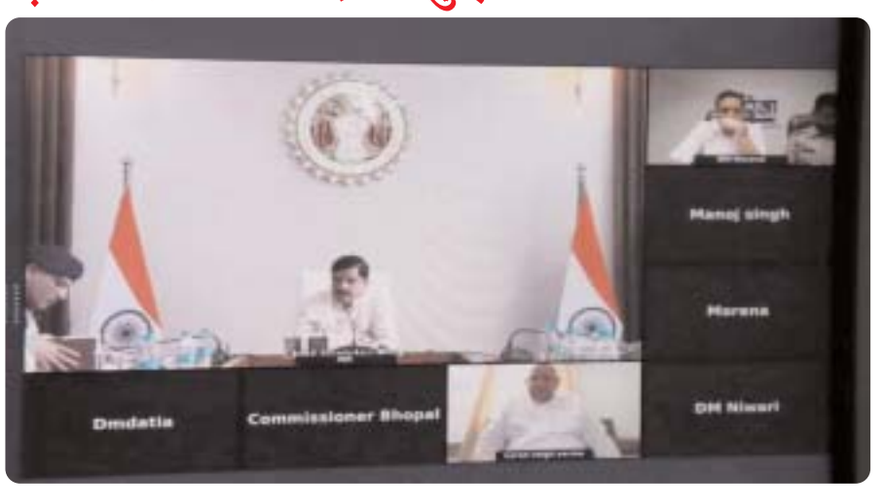

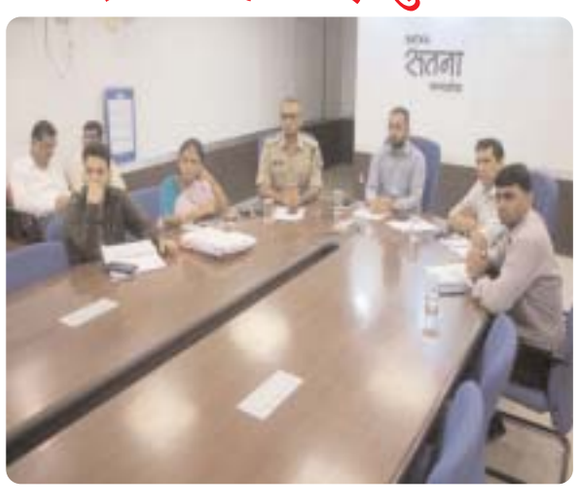

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में 30 सितम्बर तक वर्षा की संभावना हैं। अतिवर्षा और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए अधिकारी-कर्मचारी छुट्टी पर नहीं जाएं। अतिवर्षा के बावजूद भी जनजीवन सामान्य रहे, इसके लिए समय रहते आवश्यक सावधानियां बरतते हुए बचाव के कार्य किए जाएं। लोगों के जीवन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, जनहानि के लिए संबंधित अधिकारी को जिम्मेदार माना जाएगा। अतिवर्षा और बाढ़ से प्रभावित लोगों को सुरक्षा व सुविधा प्रदान करने के लिए राहत शिविर लगाएं और इसमें सामाजिक संस्थाओं का सहयोग भी सहयोग लिया जाएं। बाढ़ से फसलों को हुए नुकसान का आँकलन और पशु हानि की जानकारी भी यथाशीघ्र लेना आरंभ किया जाए। राहत राशि के वितरण में विलंब न हो, बाढ़ और अतिवृष्टि से पीड़ितों को राहत के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध है। राहत शिविरों में स्वच्छ पेयजल, दवाई आदि की व्यवस्था सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में अति वर्षा से निर्मित स्थिति और बचाव के लिए समत्व भवन में ली गई आपात बैठक में उक्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जिलों की स्थिति की समीक्षा की। वी.सी. में समस्त संभागीय आयुक्त, आईजी, कमिश्नर आफपुलिस, जिला कलेक्टर, एसपी जुडें। सतना के संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन स्थिति एनआईसी कक्ष में कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीना, एसडीएम रघुराज नगर (ग्रामीण) राहुल सिलाडिया, डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगड़े सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इसी प्रकार मैहर जिले में संयुक्त कलेक्ट्रेट कार्यालय के वीसी कक्ष में कलेक्टर रानी बाटड़ तथा पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निचली बस्तियों में रहने वालों को समय रहते सतर्क किया जाए: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि वर्षा का चक्र बदलने के कारण सितंबर माह में जितनी वर्ष होनी चाहिए उससे अधिक हो रही है। निचली बस्तियों में रहने वालों को समय रहते सतर्क किया जाए और आवश्यकता अनुसार उन्हें राहत शिविरों में शिफ्ट किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन रपटों और पुलों पर पानी है, वहाँ तत्काल आवश्यक सावधानी व सतर्कता बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अति वर्षा के प्रभाव से हुई जनहानि और पशु हानि की स्थिति में राहत उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टरों को जनहानि की स्थिति में चार-चार लाख रुपए की सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा कर कलेक्टरों को तत्काल राशि परिजन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बाढ़ में फंसे लोगों को हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट करने की तत्काल व्यवस्था की जाए: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जहां पर भी बाढ़ के पानी में लोग फंसे हैं उन्हें हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट करने की तत्काल व्यवस्था की जाए। पुराने जीर्ण-शीर्ण भवनों को चिन्हित कर सुरक्षात्मक व्यवस्था की जाए और आवश्यकता होने पर निवासियों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए। समत्व भवन में हुई बैठक में मुख्य सचिव वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना सहित, प्रमुख सचिव, जल संसाधन, गृह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक निर्माण विभाग, नगरीय विकास एवं आवास, राजस्व, लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा उपस्थित थे।

तेंदूपत्ता गोदामों के बीमा क्लेम में फर्जीवाड़े का मामला

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। फर्जीवाड़ा कर बीमा कंपनी से क्लेम लेने के मामले की जांच कर रही सीबीआई ने ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी की सतना ब्रांच के डिविजनल मैनेजर और डेवलमेंट ऑफिसर समेत 14 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोपियों में कंपनी के सर्वेयर और तेंदूपत्ता कारोबार से जुड़ी फर्मों के मालिक भी शामिल हैं। इसी सिलसिले में बुधवार को सीबीआई की जबलपुर यूनिट की एक टीम ने मौजूदा समय मे रीवा में पदस्थ सतना के पूर्व डेवलपमेंट ऑफिसर के घर पर दबिश भी दी।

तेंदूपत्ता की खरीदी - बिक्री और भंडारण करने वाली फर्मों को फर्जीवाड़ा कर क्लेम भुगतान किए जाने के मामले की पिछले काफी समय से जांच कर रही सीबीआई की जबलपुर यूनिट ने इस पूरे खेल का खुलासा कर लिया है। सीबीआई ने इस मामले में 15 आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

इनके खिलाफ दर्ज हुआ है मुकदमा: इस मामले में फर्जीवाड़ा उजागर होने पर सीबीआई ने जिन 14 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है उनमें ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के अधिकारी भी शामिल हैं। आरोपियों में ओरिएंटल इंश्योरेंस कपंनी के डिवीजनल मैनेजर आरसी परतेती, रीवा में पदस्थ सतना संभाग के तत्कालीन डेवलपमेंट अफसर विजय कुमार मोंगिया, श्रीचंद्र अग्रवाल एजेंट (सतना), सर्वेयर एंड लॉस असेसर सुनील गर्ग (इंदौर), इंवेस्टीगेटर बृजेश यादव, मेसर्स एसके तेंदू लीव्स सतना के प्रोपराइटर सुनील पांडेय, मेसर्स अनिल पांडेय, मेसर्स वीके ट्रेडिंग कंपनी सतना, मेसर्स विंध्याचल एंटरप्राइजेज प्रशांत पांडेय, मेसर्स डीके ट्रेडिंग दीपक कुमार पांडेय, मेसर्स आरएन ट्रेडिंग कंपनी सतना रामनंद द्विवेदी, मेसर्स पीसी ट्रेडिंग सतना फक्कड़ ताम्रकार सहित 2 अन्य शामिल हैं।

बुधवार को सतना पहुंची टीम: मुकदमा दर्ज करने के बाद सीबीआई जबलपुर की टीम ने सतना में डेवलमेंट ऑफिसर विजय कुमार मोंगिया के घर पर दबिश दी। बुधवार की सुबह लगभग 8 बजे मोंगिया के घर पहुंची टीम में 2 अफसर और 4 पुलिस कर्मी शामिल थे। दबे पांव सतना पहुंची टीम ने लगभग 6 घंटे तक जांच - पड़ताल कर तमाम दस्तावेज जब्त किए और फिर वहां से निकल गई।

माना जा रहा है कि टीम ने इस मामले से जुड़े सतना के अन्य आरोपियों के यहां से भी दस्तावेज जब्त किए हैं। सूत्रों ने बताया कि ऐसी ही छापामारी जबलपुर और छिंदवाड़ा में भी हुई है।

ये है मामला: सूत्रों के मुताबिक मई 2022 में तेंदूपत्ता का गोदामों मे संग्रहण करने वाली 7 फर्मों ने ओरियंटल इंश्योरेंस कंपनी की सतना ब्रांच से गोदामों का इंश्योरेंस कराया था। बीमा कंपनी ने बीमा कर 14 पॉलिसी जारी की थीं। लगभग 1 महीने के अंदर ही बीमित फर्मों के मालिकानों ने बीमा कंपनी को 13 व 14 जून 2022 की रात गोदामों में आग लगने और उसमें रखा तेंदूपत्ता जल जाने की सूचना दे दी। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया।

सूचना मिलने पर बीमा कंपनी के अधिकारी- कर्मचारियों ने कागजों में जांच पड़ताल पूरी की और सभी फर्मों को सितम्बर 2022 में 4 करोड़ की बीमा राशि का भुगतान कर दिया।

बिना बिजली कनेक्शन लग गई थी गोदामों में शॉर्ट सर्किट से आग: जानकारों ने बताया कि बीमा होने के कुछ ही समय बाद बीमित फर्मों के गोदामों में आग लग गई। उनकी बीमा राशि का क्लेम भी आनन-फानन में जल्दी ही कर दिया गया। इस जल्दबाजी ने अफसरों के मन मे सन्देह पैदा कर दिया लिहाजा उच्चस्तरीय जांच कराई गई।

जांच में पता चला कि जिन गोदामों में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगने का दावा बीमित फर्मो के प्रोपाइटर्स ने किया था उन गोदामों में बिजली का कनेक्शन ही नहीं था। इसकी शिकायत बीमा कंपनी के इंदौर निवासी रीजनल मैनेजर लाल सिंह कन्नौज ने सीबीआई से कर दी।

महाविद्यालयों में हुआ पोषण उत्सव कॉलेज कार्यक्रम का आयोजन

सतना निप्र। संचालनालय महिला एवं बाल विकास भोपाल द्वारा पोषण माह 2024 का आयोजन 1 सितंबर से 30 सितंबर 2024 तक किया जा रहा है। कलेक्टर अनुराग वर्मा के निर्देशानुसार विगत दिवस शासकीय कन्या महाविद्यालय तथा शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पोषण उत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में पोषण भी पढ़ाई भी, आईएफए की गोलियों का सेवन, पोषण आधारित प्रतियोगिता, श्रीअन्न (मोटा अनाज) का भोजन में उपयोग तथा जंक-फूड के नुकसान के बारे में उपस्थित छात्र-छात्राओं को जानकारी दी गई। इस दौरान पोषण आधारित क्रिज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे छात्र-छात्राओं के गुपों को सील्ड एवं सर्टीफिक्रेट तथा अन्य प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

पिछडा वर्ग कल्याण की योजनाओं का लाभ उठाये : डॉ. रामकृश्ण कुसमरिया

राज्य पिछडा वर्ग आयोग के अध्यक्ष ने ली समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। म.प्र. राज्य पिछडा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने गुरूवार को सतना प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों एवं सामाजिक संघों के पदाधिकारियों की बैठक लेकर पिछडा वर्ग कल्याण की योजनाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर जिला पंचायत की संचार एवं सकर्म समिति के सभापति ज्ञानेन्द्र सिंह ज्ञानू, सहायक संचालक पिछडा वर्ग कल्याण आरके शुक्ला, विक्रम सिंह बिसेन, धर्मेन्द्र सिंह, आरसी विश्वकर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पिछडा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा पिछडा वर्ग के कल्याण और विकास के लिए अनेक योजनायें संचालित की जा रही है। अधिकारियों के साथ ही सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी पिछडा वर्ग के लोगों में योजनाओं के कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार करें और उन्हें जागरूक कर योजनाओं से लाभांवित करने के कार्य में सहयोग करें। पिछडा वर्ग कल्याण की सतना जिले में क्रियान्वित की जा रही योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेकर डॉ. कुसमरिया ने कहा कि विभाग के जो भी विकास प्रस्ताव राज्य शासन को भेजे गये हैं, उसकी एक प्रति आयोग को भी उपलब्ध कराये। उन्होंने कहा कि शासन की अनेक योजनायें है। आवश्यकता इस बात की है कि जिनके लिए योजनायें बनी है। उन हितग्राहियों को योजनाओं से जोडा जाये।

सहायक संचालक आरके शुक्ला ने विभागीय योजनाओं की जानकारी में बताया कि वर्ष 2023-24 में पिछडा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में 22509 आवेदन मिले थे। जिनमें 18304 आवेदन स्वीकृत कर 15 करोड 31 लाख 81 हजार 524 की राशि 8966 हितग्राहियों को वितरित की गई है। शेष स्वीकृत 9338 आवेदन आवंटन की प्रत्याशा में लंबित है। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में 714 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें 687 आवेदन स्वीकृत कर 571 हितग्राहियों को 1 करोड 28 लाख 95 हजार 656 रूपये का भुगतान किया गया है। पिछडा वर्ग पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास 50 सीटर अमौधा में संचालित है। बालिकाओं की संख्या को देखते हुए अतिरिक्त रूप से एक कन्या छात्रावास की और आवश्यकता है। जिले में 100 सीटर पिछडा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास कृपालपुर में 13 छात्र ही प्रवेशित है। आयोग अध्यक्ष ने छात्रावास की सीटे भरने में आ रही दिक्कतों की जानकारी ली और छात्रावास का रास्ता, भोजन, सुविधायें उचित रूप से करने के निर्देश दिये। बैठक में मेधावी छात्रवृत्ति पुरूस्कार योजना, विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना, अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजना, उद्यम क्रांति योजना, स्वरोजगार योजना और सिविल प्रोत्साहन योजना का हितग्राहियों की जागरूकता के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिये गये।

एक दिवसीय दौरे पर चित्रकूट पहुंचे जलशक्ति मंत्री

मत्तगजेंद्रनाथ मंदिर में दर्शन पूजन कर किया आरती, कामतानाथ में टेका मत्था

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट पहुंचे जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने गुरुवार को मत्तगजेंद्रनाथ मंदिर में आरती कर कामतानाथ जी के दर्शन पूजन किए। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी और संतों ने स्वागत किया। संतों और आचार्यों ने क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए ज्ञापन सौंपा। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी भी उनके साथ मौजूद रहे।

बुंदेली सेना ने की मांग: स्वतंत्रदेव सिंह से बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने मुलाकात की। जिले के विकास से संबंधित कई मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने धर्मनगरी में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए वाटर एटीएम, टूरिस्ट गाइड और मल्टी पार्किंग जैसे जरूरी सुविधाओं की मांग की। साथ ही मंदाकिनी नदी को नर्मदा से जोड़ने और नदी की सफाई के लिए बजट आवंटन की अपील की।

पितृसदन हाल का उद्घाटन: जलशक्ति मंत्री ने मदर्स प्राइड ग्लोबल स्कूल में पौधारोपण कर पितृसदन हाल का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया।

शिक्षकों को बच्चों को देश का अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी सौंपी। समारोह में मंत्री का स्वागत पुष्पगुच्छ, शाल, और रामायण भेंट कर किया गया। स्कूल के छात्रों ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत कर सभी अतिथियों का स्वागत किया।

जिले के नवनिर्मित साढे तीन हजार से अधिक आवासों में होगा गृह प्रवेश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रलाय के अंतर्गत रविवार 15 सितंबर को जमशेदपुर (झारखण्ड) में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में देश भर के 10 लाख हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रथम किश्त जारी की जायेगी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी मध्यप्रदेश के 2 अक्टूबर 2023 के उपरांत पूर्ण किये गये आवासों का वर्चुअली गृह प्रवेश करायेंगे। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने 15 सितंबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए जिले में अपेक्षित तैयारी एवं व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये हैं।

गृह प्रवेश कार्यक्रम के अनुसार सतना जिले में 2 अक्टूबर 2023 से 15 सितंबर 2024 तक प्रधानमंत्री आवास योजना के पूर्ण नवनिर्मित 3 हजार 564 आवासों में गृह प्रवेश कराया जायेगा। सतना जिले में अब तक 1 लाख 20 हजार 95 आवास कंपलीट कर लिये गये है। जिनमें 2 अक्टूबर 2023 तक 1 लाख 16 हजार 531 प्रधानमंत्री आवास पूर्ण किये गये थे। इसके पश्चात की अवधि में 3564 आवास पूर्ण किये गये हैं, जिनका गृह प्रवेश होगा। कार्यक्रम के तहत जिले में सभी पूर्ण आवासों का जिला, जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर गृह प्रवेश आयोजन की तैयारियां की जा रही है। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, हितग्राही शामिल होंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक स्वरूप घर की चाबी सौपी जायेगी। इसके अलावा ग्राम सभा में नवीन हितग्राहियों की जानकारी दी जायेगी। गृह प्रवेश कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए मीडिया कैम्पेन भी चलाया जायेगा। कार्यक्रम में त्रिस्तरीय पंचायतों के सभी अधिकारी-कर्मचारी, आंगनवाडी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता सहित ग्राम स्तरीय कर्मचारियों को भी जोडा जायेगा। गृह प्रवेश के लिए चयनित आवासों का कार्यपालिक अधिकारियों के माध्यम से सत्यापन कराकर प्रमाण पत्र भी लिया जायेगा।

रविवार को होने वाले गृह प्रवेश एवं सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि जारी करने किये जा रहे कार्यक्रम के सफल आयोजन की तैयारी शुरू कर दी गई हैं।

7 लोगों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना जिला अंतर्गत चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र में अवैध मदिरा विक्रय की शिकायतें एवं सूचनाएं लगातार कई दिनों से प्राप्त हो रही थी। प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही के लिये उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता अलोक खरे एवं जिला आबकारी अधिकारी विभा मरकाम के निर्देशन मे टीम बनाकर क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी गई। जिसमें मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) क के अंतर्गत 7 लोगों के विरुद्ध अपराधिक प्रकरण कायम किये गये है।

कार्यवाही में ग्राम हिरौंदी थाना मझगवां निवासी रानी साहू पत्नी रामप्रताप साहू के कब्जे से पावर वियर 18 बोतल तथा 46 केन, चौरेही निवासी सुनील साहू पिता लल्लू साहू के कब्जे से गोवा व्हिस्की एवं देशी प्लेन मदिरा 20-20 पाव, चितहरा के राममिलन रैकवार पिता बेनीमाधव के कब्जे से 15 पाव देशी प्लेन मदिरा, शिशिर कुमार द्विवेदी पिता रामजी द्विवेदी निवासी गुधवा थाना सभापुर के कब्जे से 10 पाव देशी प्लेन मदिरा, शशिकला कोल पत्नी लाला कोल निवासी सिद्धा थाना मझगवां के कब्जे से 15 पाव देशी प्लेन मदिरा, गुलशेर कोल पिता रामनारायण निवासी नईबस्ती खुटहा थाना जैतवारा के कब्जे से 18 पाव गोवा व्हिस्की तथा राजेश विश्वकर्मा पिता दादूराम निवासी मरवा थाना जैतवारा के कब्जे से 26 केन किंग फिशर वियर बरामद की गई है।

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम

सीईओ जिला पंचायत ने ली अंतर्विभागीय बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। स्वच्छ भारत मिशन के तहत पूरे प्रदेश में 17 सितंबर से गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा 2024 कार्यक्रम मनाया जायेगा। स्वच्छ भारत मिशन के शुभारंभ की 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम के साथ ही पखवाडे में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। जिला पंचायत सतना संजना जैन की अध्यक्षता में गुरूवार को संपन्न अंतर्विभागीय समिति की बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये गये। इस मौके पर कार्यपालन ग्रामीण यांत्रिकी सेवा अश्विनी जायसवाल, जिला शिक्षा अधिकारी नीरव दीक्षित, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, जिला परियोजना अधिकारी आजीविका मिशन अंजुला झा, खेल अधिकारी एसपी तिवारी, सीईओ जनपद प्रीतपाल बागरी, सुलभ पुषाम भी उपस्थित थे।

अंतर्विभागीय बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के 3 मुख्य स्तम्भ होंगे। जिनमें स्वच्छता की भागीदारी के अंतर्गत जागरूकता बढाने, शपथ प्रतियोगितायें, वाक थान, वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों के माध्यम से जनभागीदारी को बढावा देकर नागरिकों, समुदाय और संगठनों का जुडाव हासिल किया जायेगा। श्रमदान के माध्यम से सम्पूर्ण स्वच्छता के अंतर्गत लोगों के साथ श्रमदान कर मेगा, सफाई अभियान का संचालन सडकों, रेल्वे स्टेशन, जल निकाय, सामुदायिक परिसम्पत्तियों में पडे खुले कचरे के ढेरों पर ध्यान केन्द्रित किया जायेगा और लक्षित इकाईयों के साथ स्वच्छ बनाने का कार्य किया जायेगा। प्रत्येक ग्राम को सौंदर्यीकरण वृक्षारोपण कचरा से कला आदि गतिविधियों से स्वच्छ सुंदर बनाया जायेगा। तीसरे घटक के रूप में स्वच्छता और सफाई कार्य में संलग्न सफाई मित्र के सुरक्षा शिविर लगाये जायेंगे। जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभांवित किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को नगरीय क्षेत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ किया जायेगा। स्वच्छता के लिए ब्लैक स्पाट का चिन्हांकन लोगों की जानकारी के आधार पर किया गया है। अभियान के दौरान उस ब्लैक स्पाट को साफ स्वच्छ करने के प्रयास किये जायेंगे।

सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गीला और सूखा कचरा संग्रहण के लिए साईकिल रिक्शा अथवा अन्य प्रबंध भी किये जा सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में डब्ल्यूएसपी, शोकपिट नाडेप की संरचनाओं को कचरे से खाली कराये। विद्यालयों और ग्राम पंचायतों में स्वच्छता रन, प्लगरन एवं चित्रकला, वाद-विवाद प्रतियोगिता और कार्य शालायें भी आयोजित की जाये। ग्राम पंचायतों में स्वच्छता दीवार और सेल्फी भी बनाई जा सकती है। अभियान को स्वच्छता उत्सव के रूप में मनाये। उन्होंने कहा कि जन अभियान परिषद, नेहरू युवा केन्द्र, एनएसएस एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को अभियान से जोडा जाये। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान सफाई मित्रों के हेल्थ चेकअप कैंप भी आयोजित किये जाये। इस दौरान लोगों में स्वच्छता को आदत के रूप में शामिल करने के प्रयास किये जाये। उन्होंने बताया कि स्वच्छता अभियान में सबसे अच्छा कार्य करने वाले ग्राम पंचायत को पुरूस्कृत भी किया जायेगा।

युवक की आत्महत्या

शंकर बाजार में युवक ने खाया जहर, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट के कर्वी शंकरगंज मोहल्ले में बुधवार रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 30 वर्षीय कमलेश कुमार ने अज्ञात कारणों से जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों और पुलिस के बीच हड़कंप मच गया।

मृतक के परिजनों ने बताया कि कमलेश की पत्नी मायके गई हुई थी और उनके बच्चे स्कूल में थे। घर पर अकेले होने के दौरान कमलेश ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जब बच्चे स्कूल से लौटे, तो उन्होंने कमलेश को अचेत अवस्था में पाया। परिजनों ने तुरंत उसे सोनपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन इलाज के दौरान कमलेश ने दम तोड़ दिया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा: पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा भरकर गुरुवार को जिला मुख्यालय में पोस्टमार्टम कराया। फिलहाल, पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी है। कोतवाली प्रभारी उपेंद्र सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मामला स्पष्ट हो सकेगा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और आत्महत्या की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।